हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

6 मई 2025 (रात एक बजकर 5 मिनट से एक्शन शुरू) और 10 मई शाम 5 बजे संघर्ष विराम

जय हिंद की सेना

ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच जो सैन्य तनाव बढ़ा था, उसके 86 घंटे के भीतर ही थमने की उम्मीद जगी थी। अमेरिका के बीच-बचाव करने के बाद भारत और पाकिस्तान सैन्य कार्रवाई को तुरंत प्रभाव पर रोकने के लिए राजी हुए, लेकिन पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और जम्मू, बारामूला, श्रीनगर और बाड़मेर में हमले किए।

युद्ध ~~विराम~~

युद्ध विराम की घोषणा के बाद पाकिस्तान ने सीमा से रेखा सटे इलाकों में एक बार फिर से फायरिंग कर दी। इसके अलावा उधमपुर में धमाके की आवाज सुनी गई। बारामूला और छंब में भारी गोलीबारी की गई। वहीं, राजौरी में पूरी तरह से ब्लैक आउट कर दिया गया।

जम्मू-कश्मीर के सीएम बोले- यह कैसा सीजफायर

टाइम लाइन

- **शाम 3: 35 मिनट- बन गई बात-** भारतीय डीजीएमओ से फोन पर बात और फिर बात बनी।
- **शाम 5:33-ट्रंप का ट्वीट-** अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप के ट्वीट में भारत और पाकिस्तान के युद्ध विराम पर सहमत हो जाने का ऐलान होता है।
- **शाम 5:38 पाक के डिप्टी पीएम इशाक डार का** पोस्ट आता है। उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तान ने शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया है।
- **शाम 5.54 विदेश मंत्रालय का ऐलान-**
- विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, शाम पांच बजे से सीजफायर का ऐलान किया जाता है।
- **रात 8 बजे** - पाकिस्तान की ओर से तोड़ा गया सीजफायर, गोलीबारी और ड्रोन हमले

पाक को कितना नुकसान

- तीन लड़ाकू विमान मार गिराए
- पाकिस्तान में आठ सैन्य प्रतिष्ठान ध्वस्त
- एयर डिफेंस और रेडार सिस्टम तबाह
- करीब 5000-6000 करोड़ से अधिक का आर्थिक नुकसान

अब आगे क्या

- पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि का निलंबन बरकरार रहेगा
- पाकिस्तान ने सभी प्रकार के यातायात के लिए अपना हवाई क्षेत्र खोलने की घोषणा की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा हो गई। भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की पुष्टि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, 'पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने दोपहर 3:35 बजे भारतीय डीजीएमओ को फोन किया। उनके बीच यह सहमति बनी कि दोनों पक्ष भारतीय मानक समयानुसार शाम पांच बजे से ज़मीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। दोनों पक्षों को इस सहमति को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। सैन्य संचालन महानिदेशक 12 मई को 12:00 बजे फिर से बात करेंगे। इधर, भारतीय सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी कार्रवाई के बारे में बताया। सीजफायर की घोषणा के बाद भारतीय सेना ने बताया कि हमने पाकिस्तान को ऐसा नुकसान पहुंचा कि उनकी हमले की क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा है। सैन्य प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि भारत ने पड़ोसी देश द्वारा ड्रोन, लंबी दूरी के हथियारों और लड़ाकू विमानों का उपयोग करके रक्षा बुनियादी ढांचे और नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने की ▶▶| शेष पेज 3 पर

पाक के डिप्टी पीएम इशाक डार ने कही थी सीजफायर की बात

सख्त संदेश, भविष्य में किसी भी आतंकी कृत्य को माना जाएगा 'युद्ध की कार्रवाई'

सरकार ने शनिवार को निर्णय लिया कि भारत अपनी सरजमीं पर भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकवादी हमले को 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा और उसी के अनुसार जवाब देगा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ संघर्ष के बीच सरकार ने यह स्पष्ट चेतावनी दी है। इस निर्णय के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ एक स्पष्ट लक्ष्मण रेखा खींचने की कोशिश की है और यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी फिर से भारत ▶▶| शेष पेज 3 पर

अमेरिका की मध्यस्थता से वार्ता

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि अमेरिका की मध्यस्थता से हुई वार्ता के बाद भारत और पाकिस्तान 'तत्काल और पूर्ण' संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने साथ ही दावा किया कि ऐसा अमेरिका की मध्यस्थता वाली वार्ता के कारण संभव हो सका है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में घोषणा की, अमेरिका की मध्यस्थता में पूरी रात चली बातचीत के बाद, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान 'तत्काल और पूर्ण संघर्ष विराम' पर सहमत हो गए हैं। ट्रंप ने कहा, दोनों देशों को समझदारी और विवेक का इस्तेमाल करने के लिए बधाई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। ट्रंप ने यह घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इस्हाक डार और पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से बातचीत के बाद की। रुबियो ने भी 'एक्स' पर ऐसा ही बयान दिया है। रुबियो ने कहा, पिछले ▶▶| शेष पेज 3 पर

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर किया था दावा

राजौरी में ब्लैकआउट, उधमपुर में ब्लास्ट, बारामूला-छंब में पाकिस्तान ने की गोलीबारी, आसमान में दिखे ड्रोन

कुछ घंटे भी नहीं टिक पाया संघर्ष विराम

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत के ताबड़तोड़ हमलों से बैकफुट पर आए पाकिस्तान ने युद्ध विराम की घोषणा के बाद एक फिर से अपनी नापक चाल चल दी है। पाकिस्तान ने सीमा से रेखा सटे इलाकों में एक बार फिर से फायरिंग शुरू कर दी। इसके अलावा उधमपुर में धमाके की आवाज सुनी गई। बारामूला और छंब में भारी गोलीबारी हो रही है। वहीं, राजौरी में पूरी तरह से ब्लैक आउट कर दिया गया। कानाचक सेक्टर से मढ़ में तीन ड्रोन आसमान पर देखे गए। पाकिस्तान की इस हिमाकत का भारतीय जवानों ने माकूल जवाब दिया।

शहबाज बोले- हम खून के आखिरी कतरे तक लड़ेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार रात 11:30 बजे देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत ने हमला करके जो गलती की है, उसका खामियाजा उसे जरूर भुगतना होगा। शनिवार रात 11:30 बजे फिर झूठा दावा किया और कहा कि भारत ने पाकिस्तान पर पहले हमला किया। हम खून के आखिरी कतरे तक लड़ेंगे।

चीन ने कहा- हम पाकिस्तान के साथ खड़े रहेंगे

इधर, चीन ने अपनी असली सूरत दिखा दी है। उसने पाकिस्तान के समर्थन में बोलते हुए कहा कि वो उसके साथ खड़ा रहेगा। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि उनका देश पाकिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता को बनाए रखने में उसके साथ खड़ा रहेगा।

गर्व से कहती हैं कमला-जरूरत पड़ी तो बाकी बेटों को भी भेजूंगी

मां ने भारत माता की रक्षा के लिए भेजे दो सपूत

दो सपूतों को देश की सेवा में भेजकर मुझे गर्व होता है, गांव की गलियों से होकर जब मैं गुजरती हूं तो मुझे सम्मान की दृष्टिकोण से पूरा गांव देखता है। मुझे अपने दोनों बच्चों पर फक्र है जिन्होंने अपना जीवन भारत माता की रक्षा के लिए चुना है। मुझे पूरा भरोसा है कि मेरे बेटे पहलगाम के हत्यारों को सबक सिखाकर लौटेंगे। ग्राम कुरानकापा में दिनरात अपनी बच्चों की सलामती के लिए दुआ करती मां कमला बाई चतुर्वेदी ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए ये बातें कहीं।

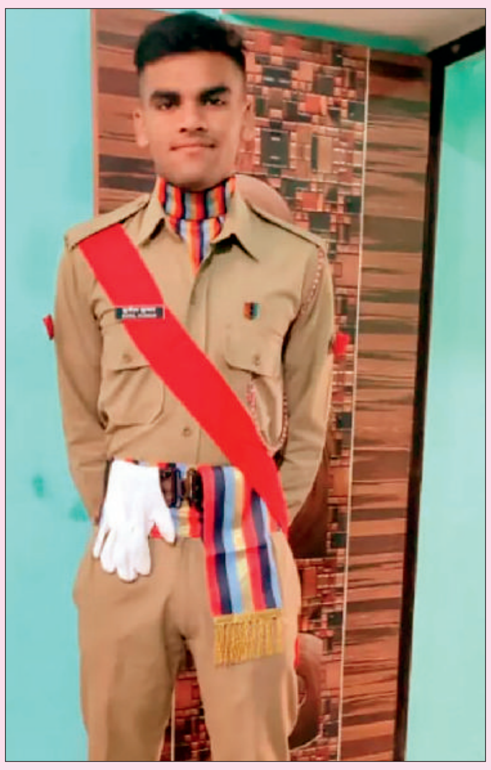

टेकचंद कारडा ⏭ तखतपुर

मुंगेली जिले की पंचायत कुरानकापा एक छोटी सी पंचायत है और इस छोटी सी पंचायत के एक ही घर से दो युवकों में सेना के प्रति इतना प्रेम जागा कि उन्होंने अपने पिता रेशम लाल चतुर्वेदी के कृषि कार्य को आगे न बढ़ाकर देश की रक्षा के लिए सूचना में जाने का संकल्प लिया। मां कमला बाई चतुर्वेदी बताती हैं कि बच्चे शुरू से ही पढ़ने लिखने में काफी होनहार थे। देश में सेना के प्रति जज्बा रखने वाला रंजन चतुर्वेदी उनका पहला बेटा है जिसने सेना ज्वाइन की। 15 दिन पहले ही बेटा छुट्टियां बिताकर वापस पंजाब के पठानकोट गया तब उसे बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव है इसके लिए कश्मीर में ड्यूटी लगाई गई है वहीं दूसरा बेटा सुनील चतुर्वेदी चार साल पहले अग्निवीर के माध्यम से देश की सेवा में चला गया है जो वर्तमान में कश्मीर में ही पाकिस्तान से दो दो हाथ कर रहा है। मां हमेशा ही अपने बच्चों के साथ पूरे देश की सलामती के लिए दुआ करती है। वह कहती है कि जब उसका बच्चा सलामत रहेगा तब पूरा देश खुश रहेगा।

सुरक्षा कारणों से सपर्क कटा

मां कमला बाई चतुर्वेदी ने बताया कि सुरक्षा कारणों से मोबाइल टावर लोकेशन पता न चले इसके लिए दोनों बच्चों से लगभग 6 -7 दिन पहले बात हुई थी उन बच्चों ने घर में अपने भाई को बताया कि यहां स्थिति तनाव पूर्ण है। सेना के जवानों का लोकेशन पता चल जाती है। उसे जैसे ही मौका लगेगा घर में बात करेगा। घर में तीन भाई रिषी , आकाश, रमाकांत के संबंध में मां कहती है कि मेरे बेटे जो सेना में है उनसे हमें देश सेवा करने का जज्बा मिलता है। गांव में जब कभी भी कोई कार्य आन पड़ता है तो वे सबसे पहले आगे आते हैं पांच बेटों में दो को मैने मां भारती की सेवा के लिए भेजा है और जरूरत पड़ी तो मेरे और बेटे जरूर जाएंगे।

देवर का बेटा शहीद हुआ तो अडिग रही मां, दोनों बेटों को दिखाई देश सेवा की राह

छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के नागपुर पंचायत की सोनमती साहू के दो बेटे हैं। दोनों बेटे के सेना में रहकर देश सेवा करने पर गर्व कर रही है। बड़े जिनकी उम्र 38 साल है वीर नारायण साहू एसटीएफ में दंतेवाड़ा में तैनात रहकर नक्सलियों से लोहा ले रहा है तो छोटा बेटा रामायण साहू जिनकी उम्र 36 साल है वो बीएसएफ में सिलीगुड़ी बॉर्डर में तैनात होकर देश की सुरक्षा कर रहा है सोनमती ने गर्व से बताया कि मेरे तीन बेटे सेना में जवान थे, जिसमे मेरे देवर का बेटा निकेश कुमार साहू जिसकी उम्र महज 24 साल थी जो बिहार के बेतिया में पदस्थ था वो 2023 में जुलाई माह में शहीद हो गया। अब मेरे दो बेटे वीर नारायण और राम नारायण सेना में रहकर देश सेवा में लगे है। हरिभूमि ने जब सोनमती से यह पूछा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात चल रहे है तो उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमसे गलत करने वालो का साथ दिया है। हमेशा आतंकवादी हमला कराकर निर्दोष और देश सेवा में लगे नौजवान बेटों को शहीद किया है। सोनमती बताती है कि, जब उनका छोटा बेटा रामनारायण वाघा बॉर्डर में पदस्थ था तो उसने मुझे और अपने पिता को घुमाने बुलाया था वहां देश के वीर जवानों का देश के प्रति प्रेम जो मैंने देखा वो मुझे अंतिम सांस तक याद रहेगा।

मेहनत-मजदूरी कर मां ने बच्चों को दी जनसेवा देशभक्ति की तालीम

संतोष दुबे ⏭ राजनांदगांव

देशभक्ति व जनसेवा का ऐसा जज्बा की बड़ा बेटा नक्सलियों से मोर्चा लेते शहीद हो गया। जिससे आंखे नम हुई, लेकिन शहीद की मां को बेटे के इस शहादत पर गर्व हुआ। मां ने अपने दूसरे बेटे को भी देशभक्ति व जनसेवा के पथ पर जाने की इजाजत दे दी। मेहनत-मजदूरी कर बच्चों को ऐसा संस्कार दिया कि आज उन्हें शहीद की मां होने का गौरव है। शहर से लगे जंगलपुर गांव की रहवासी श्रीमती उर्मिला साहू मेहनत-मजदूरी कर बच्चों को बेहतर परवरिश व शिक्षा दी। उनमें हमेशा से देशभक्त, जनसेवा व परोपकार की भावना रही। बच्चों को इसके लिए हमेशा प्रेरित भी करती रही। पढ़-लिखकर बच्चे बड़े हो गए, तब उनका बड़ा बेटा पूर्णानंद साहू ने वर्ष 2023 सीआरपीएफ ज्वाईन कर लिया। वे सीआरपीएफ कोबरा कमांडो 204 बटालियन में रहकर देशसेवा में थे।

दूसरे बेटे को भी दी इजाजत

इधर मां उर्मिला का छोटा बेटा अपने बड़े भाई के पदचिन्हों पर चलते हुए उनके मन में भी देशभक्ति, जनसेवा व परोपकार की भावना प्रबल होते गई, तब उन्होंने भी वर्ष 2024 को सीआरपीएफ ज्वाईन किया। इसके लिए मां उर्मिला ने खुशी-खुशी इजाजत दी। उनके परिजनों ने भी देश व जनसेवा की राह पर चलने के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। मां उर्मिला बताती है कि उन्होंने मेहनत-मजदूरी कर बच्चों को शिक्षा व संस्कार दिया। उन्होंने डबडबाई आंखों और रूधे हुए स्वर में कहा कि उनका बड़ा बेटा देशसेवा के लिए शहीद हो गया। जिससे उन्हें गर्व है कि उनका बेटा देश के काम आया। उन्होंने बताया कि छोटा बेटा भी देश व जनसेवा में है।

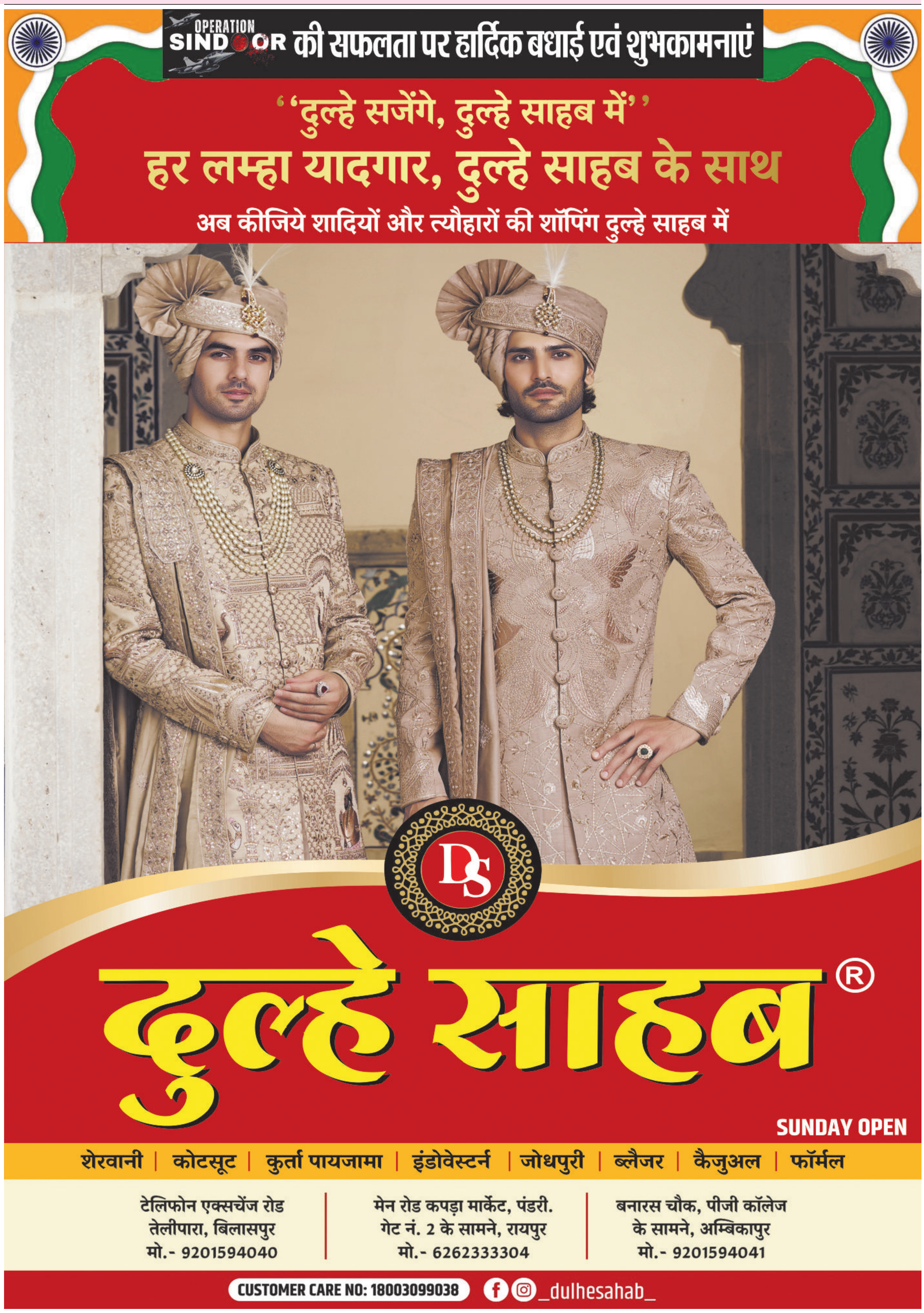

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

इस मदर्स डे पर
वीरांगना मां को
सलाम...

मरणोपरांत मिला था राजस्थान के महिपाल यादव को शौर्य चक्र

मां की जिम्मेदारी निभाते हुए पूरा किया देश के प्रति अपना फर्ज

गोद में दो साल की बेटी लिए शुरू की दोबारा पढ़ाई, अब कई उपाधियां

बस्तर में नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों के पुत्र भी नक्सलियों से ले रहे लोहा

पति के बाद बेटे-बेटियों को भेजा सेना में...कहा-
मां से पहले... भारत मां का हक

एक मां जन्म देती है। दूसरी भारत मां के आंचल में हम पलते-बढ़े होते हैं। अपने वतन की मिट्टी में, हवा में यहां के संस्कारों से हम आकार लेते हैं। हमारी रगो में दोनों ही मां का रक्त प्रवाहित होता है। रक्त का एक-एक कतरा जन्मदायी मां और भारत मां के लिए न्योछावर कर देना हमारे संस्कार हैं। यह संस्कार देती है मां। वह मां जो अपने सुहाग को, अपने पुत्र को, अपनी निर्भय, निडर पुत्री को देश की सेवा में भेजने से हिचकती नहीं है। ऐसी मां जिसका सुहाग देश की सेवा करते हुए शहीद हुआ तो मां ने बेटे-बेटियों से कहा-मुझसे ज्यादा हक वतन का तुम पर। तुम्हें इस धरा का कर्ज चुकाना है। इस मदर्स डे पर ऐसी ही मांओं की कहानियां...इस मदर्स डे पर। जिन्होंने भारत मां की खातिर अपने पति के बाद पुत्र और पुत्रियों को भारत मां की सेवा के लिए भेज दिया।

नक्सली हमले में हुई पति की शहादत, अब बेटी बढ़ा रही मान

हफीज खान ▶▶| राजनांदगांव

पति का साथ छूटा, लेकिन हौसला नहीं टूटा। उस मां ने अपने जज्बातों को संभाल और पति की तरह ही बेटी को भी पुलिस की वर्दी पहनाई। शहर के पेंड्री वार्ड में रहने वाली रेणु झा के पति रितेश झा नक्सलियों के हमले में शहीद हो गए थे। पति की शहादत के बाद मां और पिता दोनों की जिम्मेदारी को रेणु झा ने बखूबी निभाया। पति की शहादत के दौरान अपनी दो मासूम बच्चियों की परवरिश का पूरा जिम्मा रेणु के कांधे पर आ गया। संघर्ष भरे हालातों से वह लड़ती रही और मां के हौसलों के सामने हर मुसीबत हारती चली गई। एक तरफ जहां पति की शहादत का गर्व था। वहीं दूसरी ओर बेटियों की चिंता, लेकिन रेणु ने हालातों को हावी नहीं होने दिया। उन्होंने पति के बाद अपनी बेटी को भी पुलिस विभाग में इसी देशसेवा के जज्बे के साथ भेजा, जो जज्बा ▶▶|शेष पेज 3 पर

- पति की हुई शहादत तो मां ने बेटी को बनाया आरक्षक

नक्सल हमले में शहीद

शहीद आरक्षक रितेश झा देशसेवा का जज्बा लिए वर्ष 2006 में बीजापुर जिला पुलिस बल में शामिल हुए। उनके 4 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण हुई थी। ऐसे में नक्सल मोर्चे में तैनात रितेश झा पामेड़ थाना क्षेत्र में हुए नक्सली हमले में शहीद हो गए।

पति की शहादत के बाद मां ने दिखाई धरा-सी दृढ़ता भैंस पालकर बेटियों को पढ़ाया, बनाया नेवी ऑफिसर

मैं मीना यादव राजस्थान और हरियाणा बॉर्डर के पास एक छोटे से गांव में पैदा हुई थी। दसवीं कक्षा तक ही पढ़ाई कर पाई थी मैं। 20 साल की उम्र में सेना में जवान महिपाल यादव संग ब्याही गई। पति बहुत ख्याल रखते थे। सेना में थे, इसलिए तीन-तीन महीने तक भी सेवा के लिए बाहर रहना पड़ता था। जब कभी घर आते बेटियों पर खूब प्यार लुटाते।

रुचि वर्मा ▶▶| राजस्थान

शादी के बाद जिस तरह के सुंदर जीवन का सपना किसी भी लड़की का होता है, वो मेरे पास था। सबकुछ अच्छा चल रहा था कि 29 जुलाई 1996 का दिन आया। मेरे पति की तैनाती एक बायो शिप पर थी। शिप के निचले हिस्से में कुछ खराबी आ गई। पति ने फैसला किया कि वे नीचे जाएंगे। खराबी ठीक की। शिप में तैनात बाकी साथियों की जान बचाने में तो वे कामयाब हो गए, लेकिन मैंने अपना पति और मेरी बेटियों ने अपना पिता हमेशा के लिए खो दिया। मरणोपरांत उन्हें शौर्य चक्र मिला। पति को खोने का गम तो था, लेकिन जब राष्ट्रपति ने शौर्य चक्र प्रदान किया तो सिर फर्क से ऊंचा हो गया।

पति के जाने के बाद मेरे ऊपर दो बेटियों की जिम्मेदारी आ गई। मैंने हार नहीं मानी। फैसला किया कि मेरे पति ने सेवा का जो मिशन शुरू किया है, उसे मेरी बेटियां आगे बढ़ाएंगी। फैसला लेने के बाद उसे पूरा करने का वक्त था। मैंने ▶▶|शेष पेज 3 पर

- मां की तपस्या... दो बेटियों में एक डॉक्टर और एक पिता के नक्शेकदम पर
- मदर्स डे पर घर आने वाली थी बेटी, लेकिन आपातकाल के कारण रद्द हो गई छुट्टी

धरती मां से बड़ा कुछ नहीं

मेरे लिए मेरा देश पहले है। भारत मां सबसे पहले। उसके लिए कुछ भी कुर्बान किया जा सकता है। पति की शहादत का दर्द असहनीय होता है। उसके बाद बेटी को नेवी में भेजते वक्त मुझे कोई संकोच नहीं हुआ। देश की सेवा के लिए एक जान तो क्या सौ जन्म कुर्बान किए जा सकते हैं। मेरी बेटी पर मुझसे पहले भारत मां का हक है। वह अपना फर्ज निभा रही है। मैं एक मां के तौर पर गर्व महसूस करती हूं।

छोटी बेटी पिता की राह पर

छोटी बेटी मनीषा यादव नेवी में ऑफिसर है। अभी दिल्ली में सेवा दे रही है। रविवार को घर आने वाली थी, लेकिन उसका फोन आया कि भारत-पाक युद्ध के हालात के चलते उसकी छुट्टियां रद्द हो गई है। बेटी की छुट्टियां कैंसिल होने का दुख नहीं है, बल्कि मुझे गर्व है कि इस मुश्किल वक्त में वे देश के लिए डटी हुई है। मैं चाहती हूं कि पाक को सबक मिले। निर्दोष पर्यटकों को मारकर उन्हें क्या हासिल हुआ? उन्हें ऐसा जवाब दिया जाए कि वो दोबारा ऐसी हरकत ना करे।

अपने सपूतों पर गर्व है मुझे....

आशा का एक बेटा देश के लिए परिवार सहित न्यौछावर हो गया दूसरा सीमा की रक्षा कर रहा

जितेन्द्र मेहर, रायगढ़। रायगढ़ शहर में आशा नाम की एक ऐसी मां भी हैं जिन्होंने अपने एक बेटे को देश के लिए न्योछावर कर दिया। बड़ा बेटा कर्नल विप्लव त्रिपाठी भारत माता की रक्षा करते-करते परिवार सहित शहीद हो गया तो दूसरा बेटा कर्नल अनय त्रिपाठी आज बॉर्डर पर तैनात होकर दुश्मनों से लोहा ले रहा है। इस मां की ममता, धैर्य और अदम्य साहस की पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में भी प्रशंसा हो रही है। गर्ल्स कॉलेज की रिटायर्ड लाइब्रेरियन, समाजसेविका, लेखिका सुभाष त्रिपाठी की धर्मपत्नी आशा त्रिपाठी की दास्तां हर कोई सुनना चाहता है। आशा त्रिपाठी ने अपने जीवन में कई नेक काम किए हैं, जिनकी चर्चा आज भी होती है। उनके जीवन में उनकी सबसे बड़ी कुर्बानी यह रही कि उन्होंने अपने दोनों बेटों को सेना में जाने के लिए प्रोत्साहित किया। हर मां अपने बेटों की लंबी आयु की कामना करती हैं और उन्हें खोने के डर से सेना में जाने से रोकती नजर आती हैं, लेकिन आशा त्रिपाठी एक ऐसी ▶▶|शेष पेज 3 पर

आशा त्रिपाठी, मां

पाकिस्तान के 6 आतंकियों को मार गिराया

शहीद की मां कहती हैं कि उनके बड़े बेटे कर्नल विप्लव त्रिपाठी का जन्म 20 मई 1981 को रायगढ़ के जिला चिकित्सालय में हुआ था। शहीद विप्लव त्रिपाठी की प्राथमिक शिक्षा कॉर्मल कॉन्वेंट स्कूल में हुई। इसके बाद आशा के ही प्रोत्साहन पर शहीद विप्लव ने सैनिक स्कूल में रीवा से हायर सेकेंडरी की शिक्षा पूरी की। फिर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे में तीन वर्ष शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्हें भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में अध्ययन के लिए चयन किया गया। 2003 में आईएमए ▶▶|शेष पेज 3 पर

पति कश्मीर में ब्लास्ट में शहीद हुए उस वक्त गोद में थी 8 माह की बेटी

नई दिल्ली। मैं लेफ्टिनेंट कर्नल गीतांजली चौधरी... जब पति को खोया तो 8 माह की बेटी गोद में थी। पिता फौज में थे तो चाहती थी कि पति भी फौज में हों। एक सामान्य गृहस्थ जीवन की चाह थी बस। पति मेजर संदीप चौधरी से 1992 में शादी हुई थी। उस वक्त सिर्फ 21 साल की थी। पहले राजस्थान और फिर कश्मीर में पोस्टिंग हुई। उन्हें हमेशा से ही बेटी चाहिए थी। जब बेटी हुई तो हमने उसका नाम तनीषा रखा। बेटी उनके साथ बहुत कम वक्त बीता पाई। श्रीनगर में टीम के साथ ऑपरेशन के दौरान वे आईईडी ब्लास्ट में शहीद हो गए। उनके जाने के बाद मैं टूट गई। अपनी बेटी के लिए अपने आप को दोबारा संभाला। शादी के पहले अमृतसर से स्नातक तक की पढ़ाई पूरी कर ली थी। अब मैंने अपने पति के नक्शेकदम पर चलते हुए देशसेवा करने का फैसला लिया और सेना में जाने की तैयारी करने लगी। मैंने एसएसबी की परीक्षा में टॉप किया था। सितंबर 1998 में चेन्नई के ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकेडमी में ज्वॉइनिंग दी। यहां से देशसेवा के पति के जज्बात को आगे बढ़ाया। देश ▶▶|शेष पेज 3 पर

- लेफ्टिनेंट कर्नल गीतांजली चौधरी ने पति की मौत के बाद किया था एसएसबी में टॉप
- अपनी बेटी के लिए अपने आप को दोबारा संभाला

गोद में बेटी को लेकर पढ़ाई कर बनी फौज में अफसर

नई दिल्ली। मैं मीनाक्षी चंदन पटना के दानापुर कैंट के पास एक छोटे से गांव में 1981 में जन्मी थी। 19 साल की थी, जब शादी हुई। 12वीं तक की पढ़ाई पूरी कर पाई थी उस वक्त तक। नवंबर 2000 में शादी हुई। एक साल बाद दिसंबर 2001 में एक नन्ही परी घर आई।

हमने उसका नाम रखा-नुपुर। मातृत्व सुख ने जीवन पूर्ण किया। लेकिन 5 अप्रैल 2003 में उस वक्त जिंदगी बिखर गई, जब सियाचीन में ऑपरेश मेघदूत के वक्त पति मेजर अमित कुमार चंदन शहीद हो गए। उनकी शहादत पर फक्र तो था, साथ ही बेटी की जिम्मेदारी भी थी। बेटी की खातिर पढ़ाई दोबारा शुरु करने का फैसला किया। मैं दिल्ली शिफ्ट हो गई। दो साल की बेटी को गोद में लिए पढ़ाई पूरी की, बीएड-एमएड सहित कई डिग्रियां हासिल की और कॉलेज में प्राध्यापक हो ▶▶|शेष पेज 3 पर

पति के शहादत के बाद मां ने बेटों को भेजा देश सेवा के लिए

राजेश दासः जगदलपुर। किसी भी संतान के लिए मां का स्थान सबसे उपर होता है गर्भ में नौ महिने तक रखने के दौरान जो कष्ट मां को होता है वह दुनिया में किसी अन्य को नहीं होता इसलिए मां को सबसे पूज्य व महानता की मूरत कहा गया है। आज मदर्स डे है उस मां की त्याग, तपस्या और उसकी लगन निष्ठा को रेखांकित करेगें जब वह पति के शहादत के बाद अपने बच्चों को देश की सेवा के लिए फौज या फोर्स में भेजने के लिए कड़ी मेहनत की जो उसके त्याग को दर्शाता है। हम बात कर रहे है उन वीरों की जो बस्तर में नक्सलियों से लड़ते हुए देश के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी। पति की शहादत के बाद मां ने अपने वीर बेटों को देश की सेवा के ▶▶|शेष पेज 3 पर

पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी हमले के बाद भारत ने प्रशासनिक कदम और सैन्य ऑपरेशन से आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान और पीओके स्थित नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया। इस ऑपरेशन को लेकर भारत ने स्पष्ट कहा कि उसका एक्शन आतंकवाद के खिलाफ है, पाकिस्तान के खिलाफ नहीं है। लेकिन भारत के सैन्य ऑपरेशन से बौखलाए पाकिस्तान की फौज ने एलओसी पर नागरिकों को निशाना बनाकर गोलीबारी की और भारत के सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। न केवल भारत ने पाक के सभी हमले को नाकाम किया, बल्कि जबावी कार्रवाई में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के अंदर लाहौर, सियालकोट, रावलपिंडी, कराची, बहावलपुर, इस्लामावाद में सैन्य अड्डों पर भारी तबाही मचाई। भारत ने संयम बरतते हुए पाकिस्तानी आवाम को निशाना नहीं बनाया। अभी दोनों मुल्कों के बीच युद्ध जैसे हालात हैं, तनाव चरम पर है। इस भी भारत ने निर्णय लिया है कि आगे से पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद की कोई भी कार्रवाई युद्ध माना जाएगा और दो दिन के लिए सीमा पर दोनों देश सीजफायर पर सहमत हुए हैं। इसमें अमेरिका की भूमिका मानी जा रही है। केंद्र व सेना की हर कार्रवाई बदले भारत के मिज़ाज को बयां करती है। आजकल के ताजा अंक में पेश है विश्लेषण...

नए भारत का 'बदला' मिज़ाज

रणनीति

प्रभात कुमार राय

विदेश मामलों के जानकार

22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान ने प्राक्सी वार की अपनी रणनीति के तहत नृशंस हत्याकांड को अंजाम दिया। इस बर्बर हत्याकांड के समुचित प्रति उत्तर में भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का बाकायदा इस्तेमाल करके पाकिस्तान के मुख्तलिफ इलाकों में विद्यमान जिहादी आतंकवादियों के नौ ठिकानों को पूर्णतया नेस्तनाबूद किया। भारत की बुनियादी तौर पर परिवर्तित सैन्य रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा है कि पाकिस्तान को यह पुख्ता पैगाम दे दिया गया है कि प्रॉक्सी वार की रणनीति के तहत यदि कोई भी जिहादी आतंकवादी आक्रमण अंजाम दिया जाएगा तो भारत उसका समुचित जवाब अपनी शक्तिशाली सैन्य रणनीति से तत्काल देगा।

कश्मीर में विगत 36 वर्षों से निरंतर जारी पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का सशस्त्र प्रतिरोध करने की भारतीय सैन्य रणनीति अब बाकायदा परिवर्तित कर दी गई है। पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा परिपोषित जिहादी आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए नृशंस हत्याकांड के तत्पश्चात भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध एकदम नई और अनोखी सैन्य रणनीति अख्तियार की गई है। पुराने दौर में जिहादी आक्रमणों के पश्चात भारत सरकार कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करने की कोशिश करती रहती थी। वर्ष 1993 में मुंबई नगरी को पाक प्रायोजित आतंकवादी बम विस्फोटों द्वारा दहलाया गया था। इस वारदात में तकरीबन 260 बेगुनाह नागरिक मारे गए थे। 13 दिसंबर सन् 2001 में जब भारतीय संसद भवन पर आतंकवादी हमला हुआ था और उसके बाद 26 नवंबर 2008 में मुंबई नगरी पर जिहादी आक्रमण अंजाम दिया गया था । इस वारदात में तकरीबन 160 नागरिक हलाक हो गए थे और सैकड़ों लोग बुरी तरह से जख्मी हुए थे। हुकूमत ए हिंदुस्तान ने इन समस्त नृशंस जिहादी आक्रमणों के प्रतिरोध में कदाचित कोई भी ठोस सैन्य कार्रवाई अंजाम नहीं दी थी। वर्ष 2016 में जम्मू कश्मीर के उरी क्षेत्र में पाकिस्तान आईएसआई द्वारा प्रशिक्षित जिहादी आतंकवादियों द्वारा अंजाम दी गई 19 भारतीय सैनिकों की शहादत के तत्पश्चात भारत सेना की एक कमांडो टुकड़ी ने कथित नियंत्रण रेखा को रौंद कर मेजर माइक टैंगों के नेतृत्व में जिहादी दहशतगर्दों के दो प्रशिक्षण शिविर पर सर्जिकल स्ट्राइक अंजाम दी। इस सर्जिकल स्ट्राइक में 40 जिहादी दहशतगर्दों को हलाक कर दिया गया था। वर्ष 2019 में पुलवामा में एक जिहादी द्वारा भयानक आत्मघाती विस्फोट अंजाम दिया गया।

आतंकवादियों के नौ ठिकाने नेस्तनाबूद

इस आत्मघाती विस्फोट के परिणाम स्वरूप भारतीय अर्ध सैनिक बलों के 40 जवान मौत के घाट उतार दिए गए। पुलवामा के आतंकवादी आक्रमण का सैन्य प्रतिशोध लेने के लिए भारतीय सेना फाइटर जेट्स ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की काग़ान घाटी में बालाकोट स्थित जिहादी कैंप को सटीक एयर स्ट्राइक्स द्वारा पूर्णत ध्वस्त कर दिया गया था। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुकूमत ए पाकिस्तान ने प्राक्सी वार की अपनी रणनीति के तहत नृशंस हत्याकांड को अंजाम दिया। इस बर्बर हत्याकांड के समुचित प्रति उत्तर में भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का बाकायदा इस्तेमाल करके पाकिस्तान के मुख्तलिफ इलाकों में विद्यमान जिहादी आतंकवादियों के नौ ठिकानों को पूर्णतया नेस्तनाबूद किया। भारत की बुनियादी तौर पर परिवर्तित सैन्य रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा है कि पाकिस्तान को यह पुख्ता पैगाम दे दिया गया है कि प्रॉक्सी वार की रणनीति के तहत यदि कोई भी जिहादी आतंकवादी आक्रमण अंजाम दिया जाएगा तो भारत उसका समुचित जवाब अपनी शक्तिशाली सैन्य रणनीति से तत्काल देगा। पाकिस्तान और भारत के मध्य निरंतर जारी वर्तमान सैन्य संघर्ष पर विश्व के अनेक देशों ने गहन चिंता का इज़हार तो किया है, लेकिन पाक फौज द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध भारत की सैन्य कार्रवाइयों का ज्यादातर देशों ने कदाचित विरोध नहीं किया है। भारत सरकार द्वारा ठोस सबूत पेश करके सारी दुनिया को तल्ख तथ्यों से अवगत कराया गया है कि विगत 36 वर्षों से पाकिस्तान प्राक्सी वार द्वारा भारतीय कश्मीर को हथियाने के लिए निरंतर कितनी नृशंस आतंकवादी वारदातें अंजाम देता रहा है।

कश्मीर विवाद पर तीसरे देश की मध्यस्थता

भारत और पाकिस्तान दोनों ऐसे पड़ोसी मुल्क हैं, जिनके मध्य सैन्य संघर्षों की तल्खी वर्ष 1947 से बनी रही है। दोनों देशों के मध्य चार भीषण युद्ध लड़े जा चुके हैं। सैन्य तनाव के विकट हालात में अन्य देशों की सक्रियता बाकायदा बनी रही है। पाकिस्तान तो सन् 1947 से सदैव यह चाहता रहा कि कश्मीर विवाद पर कोई तीसरा देश मध्यस्थता करें। पाकिस्तान की फौज़ ने 22 अक्टूबर सन् 1947 में जब जम्मू कश्मीर रियासत पर कबायली नकाब धारण करके आक्रमण अंजाम दिया था तो पाकिस्तानी फौज के विरुद्ध अपनी विजय पताका लहराती हुई भारतीय सेना को युद्ध विराम का यकायक आदेश देकर दुर्भाग्य से तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा संयुक्त राष्ट्र को कश्मीर विवाद पर मध्यस्थता के तौर पर लाया गया। जनरल अयूब खान के ऑपरेशन जिब्राल्टर के तहत अंजाम दिए गए सन् 1965 के भारत पाक युद्ध के दौर में भारत द्वारा सोवियत यूनियन को मध्यस्थ बनाया गया। वर्ष 1971 में बांग्लादेश युद्ध के दौरान इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत सरकार ने स्पष्ट रणनीति अख्तियार की कि किसी भी देश को मध्यस्थ नहीं बनाया जाएगा। आज के दौर में भी भारत की स्पष्ट सैन्य रणनीति है कि हम इंटरनेशनल ओपिनियन की जरा सी भी परवाह किए बिना पाकिस्तान को उसके द्वारा संचालित प्रॉक्सी वार का वाजिब प्रति उत्तर देंगे।

पाक के प्रॉक्सी वॉर का समुचित जवाब

प्रॉक्सी वॉर के तहत पाकिस्तान निरंतर भारत पर आक्रमण अंजाम देता रहा है। भारत का भी सैन्य अधिकार है कि वह प्रति उत्तर में पाकिस्तान के विरुद्ध कठोर सैन्य कार्रवाई अंजाम दे। इस दफा भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में ही नहीं, वरन् पाकिस्तान के अन्य महत्वपूर्ण फौजी ठिकानों पर भी जबरदस्त मिलिट्री स्ट्राइक्स अंजाम दी हैं। भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट तौर पर सैन्य पैगाम दे दिया है कि पाकिस्तान द्वारा संचालित प्रॉक्सी वॉर का समुचित जवाब भारत द्वारा सीधे सशक्त सैन्य कार्रवाइयों से दे दिया जाएगा। भारत द्वारा किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान के विरुद्ध कोई गुहार नहीं लगाई गई है, जो कि पहले के दौर में सामान्य तौर पर लगाई जाती रही। अमेरिका पर जब कोई आक्रमण अंजाम दिया जाता है तो फिर अमेरिकन सरकार किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर जाकर किसी से कोई फरियाद नहीं किया करती। अमेरिकन सेना सीधे सैन्य कार्रवाई अंजाम देती है। सन् 2001 में 9/11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर अंजाम दिए गए बर्बर जिहादी आक्रमण के तत्पश्चात अमेरिका ने अफगानिस्तान की मुल्ला उमर हुकूमत के विरुद्ध सशस्त्र कार्रवाई अंजाम दी थी और काबुल पर अपना आधिपत्य स्थापित किया था। अमेरिका के नक्शे कदम पर चलते हुए इसराइल भी किसी भी वैश्विक मंच पर जाकर कोई राग नहीं अलापा करता कि हमारे मुल्क पर आक्रमण हुआ है, बताओ कि हम अब क्या करें? एक महान देश के रूप में भारत ने भी स्पष्ट सैन्य रणनीति अख्तियार कर ली है कि भारत अब सशस्त्र पैगाम देगा कि भारत के नागरिक हलाक किए गए तो फिर हम सीधे सैन्य कार्रवाई अंजाम देंगे।

यह बात अवश्य है कि सैन्य संघर्ष अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाए जाएंगे तो वहां भी पुख्ता सबूतों के साथ भारत अपना स्पष्ट नजरिया पेश करेगा। भारत के पास स्पष्ट और ठोस सबूत विद्यमान है कि पाकिस्तान फौज द्वारा परिपोषित की जाने वाली जिहादी आतंकवादी तंजीम दि रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम के नृशंस आक्रमण की बाकायदा जिम्मेदारी ले ली है। टीआरएफ का सीधा ताल्लुक पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित और परवरिश पाने वाली जिहादी आतंकवादी तंजीम लश्कर ए तैयबा के साथ बाकायदा स्थापित है। विश्व पटल पर एक ऐसा दौर था जबकि एक ध्रुवीय महाशक्ति के तौर पर अमेरिका द्वारा पाकिस्तान का अंध समर्थन किया गया। भारत के विरुद्ध पाकिस्तान को अमेरिका द्वारा सेंटो सैन्य संगठन का सदस्य बनाया गया था। कश्मीर में वर्ष 1989 से पाकिस्तान द्वारा संचालित जिहादी जंग को अमेरिका द्वारा जंग ए आजादी निरूपित किया गया। सन् 2001 में न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी आक्रमण के बाद अमेरिका की आंखें खुल गई और अमेरिका एक हद तक पाकिस्तान का दामन छोड़कर भारत के निकट आने लगा। भारत के साथ सैन्य संघर्ष के वर्तमान दौर में भारत सरकार के सख्त ऐतराज के बावजूद पाकिस्तान को 2.3 बिलियन डॉलर्स का बेलआउट पैकेज इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) द्वारा प्रदान कर दिया गया है, ताकि पाक आर्थिक तौर पर दिवालिया होने से बच सके। सर्वविदित है अमेरिका की रजामंदी के बिना आईएमएफ द्वारा पाक को यह बेल आउट पैकेज कदाचित प्रदान नहीं किया जा सकता था। अमेरिका बनाम चीन की ट्रेड वार के दौर में अमेरिका के कूटनीतिज्ञों को बेहद फिक्र लगी रहती है कि पाकिस्तान पूरी तरह से कहीं चीन के सैन्य गुट में शामिल न हो जाए। पाकिस्तान के हाथों अत्यंत संगीन आतंकवादी जख्म खाए हुए अमेरिका को क्या पाकिस्तान द्वारा निरंतर की जा रही टेरर फंडिंग की जरा सी भी चिंता नहीं है। टेरर फंडिंग पर अंतरराष्ट्रीय निगरानी रखने वाले संगठन फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट से बड़ी मुश्किल से पाकिस्तान वस्तुतः चीन की कूटनीतिक मदद से बाहर निकला है। हालांकि पाकिस्तान का आका मुल्क तुर्कीए ग्रे लिस्ट में बाकायदा शामिल है। भारत को बार-बार परमाणु युद्ध की धमकी देने वाले पाकिस्तानी राजनेता और फौजी जनरल जानते हैं कि भारत के पास 172 परमाणु वारहेड विद्यमान हैं और साथ ही भारतीय सेना हाइड्रोजन बमों से भी लैस है। व्यावहारिक तौर पर विचार करें तो परमाणु हथियारों से सन्नद किसी देश को परमाणु आक्रमणों से बचाते हैं, लेकिन ये ना आतंकवादी हमले रोक सकते हैं और ना ही पारंपरिक आक्रमणों को रोक सकते हैं। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि परमाणु ताकत संपन्न होना सिर्फ सीमित स्तर तक सुरक्षा प्रदान करता है। पारंपरिक युद्ध में चार दफा पाकिस्तान की फौज को भारतीय सेना बुरी तरह शिकस्त दे चुकी है। विगत 36 वर्ष की प्रॉक्सी वार के तहत भी कश्मीर घाटी में पाकिस्तान को अभी तक कोई निर्णायक कामयाबी हासिल नहीं हो सकी है।

सांप्रदायिकता को गहराई से दफन करना जरूरी

इसका सबसे बड़ा कारण है कि पाकिस्तानी फौज का इंटेलिजेंस विंग आईएसआई अपने तमाम प्रयासों के बावजूद जम्मू कश्मीर की सरजमीं पर हिंदुओं और मुसलमानों के मध्य सांप्रदायिक विभाजन करने में विफल साबित हुआ है। भारतीय सेना ने अपनी सशक्त धर्मनिरपेक्ष परंपरा का निर्वाह करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में अंजाम दी गई एयर स्ट्राइक के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ सैन्य प्रवक्ता के तौर पर कमान कर्नल सोफिया ताजुद्दीन कुरैशी और एयरफोर्स की पायलट कोमोडोर व्योमिका सिंह को सौंपी गई। भारत को यदि पाक प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक विजय प्राप्त करनी है तो फिर एकजुट होकर भारत में हर किस्म की सांप्रदायिकता को गहराई से दफन करना पड़ेगा। जिहादी आतंकवाद का निर्णायक सफाया करने के लिए भारतीय सेना द्वारा बांग्लादेश युद्ध की तरह पाकिस्तान फौज की कमर तोड़ देनी होगी।

युद्ध में अधिक नुकसान उठाएगा पाक

विश्लेषण

डॉ. एल.एस. यादव

स्वतंत्र पत्रकार

प्रसिद्ध सैन्य विचारक कैप्टेन लिडिल हार्ट ने बहुत पहले कहा था कि 'यदि तुम शांति चाहते हो तो युद्ध को समझो'। इस तथ्य की तरफ भारत ने अब ध्यान दिया है। पाकिस्तान पोषित आतंकवादी भारत में काफी दिनों से अशांति फैलाए हुए थे जबकि भारत बार-बार आगाह कर रहा था लेकिन पाकिस्तान पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा था। इधर काफी प्रयासों के बाद जब जम्मू कश्मीर विकास की राह पर आगे बढ़ने लगा तो ऐसा लगने लगा कि अब वहां पर आतंकवाद समाप्ति की ओर है। यही बात पाक हुक्मरानों व आईएसआई को बर्दाश्त नहीं हुई और कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में बढ़ोत्तरी करने के प्रयास शुरू कर दिए जिसका परिणाम पहलगाम की आतंकी घटना के रूप में सामने आया। 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। यह आतंकी हमला 2019 में हुए पुलवामा की आतंकवादी घटना के बाद घाटी में हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला था। घटना को अंजाम देने वाले आतंकी चकमा देने के लिए सेना की वर्दी पहने हुए थे। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे और उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह अधिक मजबूत होगा।'

आतंकवादी ठिकानों पर स्ट्राइक

पहलगाम आतंकवादी हमले के 15 दिन बाद निर्दोष नागरिकों की हत्या का बदला लेने के लिए 6 मई की रात लगभग पौने दो बजे भरतीय सेना तथा वायु सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में चल रहे आतंकवादी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करके उन्हें ध्वस्त कर दिया। इस अभियान में पाकिस्तान के पंजाब के बहावलपुर में अहमदपुर व मुरीदके तथा पीओके के बाघ, मुजफ्फराबाद व कोटली में चलने वाले नौ आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद कर दिए। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार ये वही ठिकाने थे जहां से भारत विरोधी आतंकी हमलों की साजिश रची जाती थी और उन्हें संचालित किया जाता था। यह पूरी कार्रवाई नपी-तुली, केंद्रित और गैर उत्तेजक प्रकृति की थी। इसमें पाकिस्तान के किसी सैनिक केन्द्र या नागरिक ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। पहलगाम की घटना के बाद से पाकिस्तान की तरफ से गोलीबारी की जा रही थी। जब भारत ने आतंकवादी शिविरों को ध्वस्त किया तो पाकिस्तान ने पुंछ के शाहपुर सेक्टर, मेंढर के मनकोट क्षेत्र व कृष्णा घाटी सेक्टर में भारी गोलाबारी प्रारम्भ कर दी। इसके अलावा कुपवाड़ा, बारामूला, उरी व अखनूर सेक्टर में छोटे हथियारों व तोपों का प्रयोग करते हुए गोलाबारी की गई। इसमें सबसे ज्यादा पुंछ सेक्टर प्रभावित हुआ और गोलाबारी में तकरीबन 16 लोगों की मौत हो गई।

एयर डिफेंस सिस्टम ध्वस्त किया

पाकिस्तान यहीं नहीं रुका बल्कि उसने मिसाइलों व ड्रोन से हमले जारी रखे। पाकिस्तान ने मिसाइलों व ड्रोन हमलों के जरिए जम्मू की एयर

स्ट्रिप तथा अन्य जगहों के सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना चाहा लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ने उसके नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। इस डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान की ओर से दागी गई सभी मिसाइलों व ड्रोनों को आसमान में ही ध्वस्त कर दिया। भारत ने पाकिस्तानी मिसाइलों को जम्मू एयरपोर्ट व साम्बा सेक्टर में मार गिराया। जम्मू यूनिवर्सिटी के पास भी दो ड्रोनों को मार गिराया गया। इसके अलावा भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहे पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमान व जेएफ-17 लड़ाकू विमान को भारतीय वायु सेना ने मार गिराया। पाकिस्तान की इन हरकतों के बाद भारत के ड्रोन कराची, रावलपिण्डी व लाहौर सहित प्रमुख नौ शहरों में घुसे और लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम एचक्यू-9 ध्वस्त कर दिया। लाहौर के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह करने का काम हार्पी ड्रोन्स ने किया।

हार्पी ड्रोन्स को इजराइल की कंपनी इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित किया गया है। यह उन्नत श्रेणी का लोइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम है जो हवा में मंडराने वाले शत्रु पर नजर रखता है और संकेत मिलते ही उसे नष्ट कर देता है। यह निगरानी व हमला अर्थात दोनों के प्रयोग में लाया जाता है। यह शत्रु की वायु सुरक्षा प्रणाली को नष्ट करने का अचूक हथियार माना जाता है। यह 9 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है और 1000 किलोमीटर तक की रेंज में हमला कर सकता है। 9 मई को पाकिस्तान ने अपने हमलों को और तेज कर दिया। सेना के अनुसार, भारत के जम्मू, सांभा, पठानकोट व अमृतसर समेत कई बड़े शहरों में पाकिस्तानी ड्रोन दिखाई दिए। पाकिस्तान के साथ लगने वाली अन्तरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के पास उत्तर में बारामूला से लेकर दक्षिण में भुज तक 26 स्थानों के अलावा बारामूला, श्रीनगर, अवंतीपोरा, नगरोटा, जम्मू, फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, लालगढ़ जट्टा, जैसलमेर, बाड़मेर, भुज, कुवारकोट व लखी नाला में पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान ने घुसपैठ के लिए तकरीबन 400 ड्रोन भेजे थे जिन्हें नाकाम कर दिया गया था। सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने इनमें से 50 को मार गिराया तथा 20 को जाम कर दिया। पाकिस्तान ने यूएवी की मदद से बटिंडा सैन्य स्टेशन को निशाना बनाने की कोशिश की जिसे नाकाम कर दिया गया। चंडीगढ़, पोखरन व जैसलमेर में तो सीमा से 100-200 किलोमीटर अंदर तक ड्रोन आ गए थे जिन्हें बराक-8 व आकाश मिसाइलों, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम व हार्पी ड्रोन्स के द्वारा नष्ट कर दिया गया।

आधुनिक हथियारों से लैस भारत

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में नागास्त्र, स्कैल्प मिसाइल व हैमर बॉम्ब जैसे अत्याधुनिक हथियारों का प्रयोग करके आतंकवादियों की कमर तोड़ दी थी तो पाकिस्तान को भारत की अन्य मिसाइलों की ताकत पता होनी चाहिए। भारत ब्रह्मोस मिसाइल जल, जमीन व हवा से दागी जा सकती है। पृथ्वी मिसाइल के तीनों वैरियंट 2000 किलोमीटर तक अचूक निशाना लगाने में सक्षम हैं। शौर्य मिसाइल एटमी हमले में सक्षम है। प्रहार मिसाइल अलग-अलग दिशाओं में लक्ष्य भेदने में माहिर है। धनुष व आकाश मिसाइलें आसमान तक तबाही मचा सकती हैं। अमोघ मिसाइल अंधेरे में भी टारगेट करती है। जबकि निर्भय मिसाइल दिशा बदल कर हमला करती है। सागरिका बैलिस्टिक मिसाइल नैविगेशन सिस्टम से लक्ष्य भेद सकती है। अग्नि मिसाइल को भारत के किसी कोने से छोड़े जाने पर पाकिस्तान का हर छोर कवर कर लेगी। इन सबका प्रयोग होने पर पाक का क्या हाल होगा वह खुद समझ सकता है। सामुद्रिक क्षेत्र में भी भारत की ताकत कम नहीं है। भारत के पास विमानवाहक पोत, अन्य युद्धपोत व परमाणु पनडुब्बियां हैं। ये समुद्र में किसी भी चुनौती से निपट सकते हैं।

भारत को आत्मरक्षा करने का अधिकार

विश्लेषण

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले के साथ भारत ने पाकिस्तान पर जिस तरह से चौतरफा शिकंजा कसा है, उससे पाकिस्तान अलग-थलग तो पड़ ही गया है, भारतीय सैन्य हमलों की मार ने दिखा दिया कि पाक की सामरिक रक्षा शक्ति में कोई दम नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक की शुरुआत में 9 आतंकी ठिकाने तो तबाह किए ही, अगले दिन भारत ने लाहौर में तैनात पाक की वायु सुरक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया और कराची एवं रावलपिंडी में मिसाइलें दागीं। 1971 में पाकिस्तान से हुए युद्ध के बाद यह पहला अवसर था कि रावलपिंडी पर भारत ने सीधा आक्रमण किया। यही नहीं भारत ने पाकिस्तान के उन चुनिंदा नगरों के आतंकी अड्डों पर भी ड्रोन हमले किए, जहां से पाक सेना भारत के नगरों पर हमले करने के लिए तत्पर थी। पाक सेना भारत के 15 स्थलों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों की जुगत में थीं, जिसे भारतीय सेना की वायु सुरक्षा प्रणाली एस-400 सुदर्शन चक्र ने आसमान में ही नेस्तनाबूत कर दिया।

आतंकवाद से निपटना ही लक्ष्य

भारत ने यह जवाबी कार्रवाई तब की, जब बौखलाया पाकिस्तान नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर न केवल उकसावे की कार्यवाही कर रहा था, बल्कि नागरिक आबादियों पर भी हमले कर रहा था। इन हमलों में 16 भारतीय नागरिक मारे गए हैं। चूंकि भारत का लक्ष्य आतंकवाद से निपटना है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादियों का समर्थक देष होने के साथ उन्हें पालता-पोसता भी रहा है। अतएव भारत ने आतंक के खिलाफ जो ऑपरेशन चलाया हुआ है, उसके समर्थन में भारत को विश्व समुदाय खुला समर्थन दे रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का ही कमाल है, कि वैष्विक षक्तियां कह रही हैं कि भारत को आत्मरक्षा का अधिकार है। इसलिए आतंकियों को पालने वालों का खात्मा होना चाहिए। इस सिलसिले में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड और इजरायल के बड़े नेताओं ने भारत द्वारा आत्मरक्षा के लिए चलाए जा रहे सामरिक अभियान का समर्थन किया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जेएन बैरों ने कहा है कि फ्रांस आतंकी समूहों के खिलाफ भारत के संघर्ष का समर्थन करता है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋशि सुनक का कहना है कि किसी भी देश को दूसरे देश से होने वाले आतंकी हमले स्वीकार नहीं करने चाहिए। अतएव भारत का आतंकवाद के ढांचे पर हमला उचित है। आतंकवादियों को बिना सजा दिए नहीं छोड़ा जा सकता है। इजरायल के राजदूत आर अजार ने कहा, भारत को आत्मरक्षा का पूरा हक है, आतंकवादियों के अपराधों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। अमेरिकी सांसद थानेदार ने कहा कि आतंकी बिना दंड मिले आतंकवाद नहीं छोड़ सकते हैं। भारत को अपनी रक्षा का अधिकार है, हम भारत के साथ हैं। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता और यूएन में अमेरिका की राजदूत रहीं निकी हेली ने दुख जताते हुए कहा कि आतंकी हमले में दर्जनों भारतीय मारे गए हैं। इसलिए भारत के पास अपनी सुरक्षा और जवाबी

कार्यवाही का पूरा अधिकार है। पाकिस्तान खुद को पीड़ित के तौर पर प्रदर्शित न करे, किसी भी देश को आतंकवाद का पोषण करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। इसी मुद्दे पर ब्रिटिश की संसद में चर्चा हुई। इसमें भारतीय मूल की सांसद प्रीति पटेल ने आक्रामक लहजे में कहा कि भारत को अपनी रक्षा के लिए सख्त कदम उठाने का अधिकार है। पाकिस्तान में मौजूद आतंकी भारत और पश्चिमी हितों के लिए खतरा बन गए हैं। यह वही देश है, जहां अमेरिका पर आतंकी हमले का दोषी ओसामा बिन लादेन छिपा हुआ था।

भारत का आत्मबल मजबूत

तय है, विश्व के प्रमुख देशों के इस समर्थन से भारत का आत्मबल मजबूत बना रहेगा। यदि पाकिस्तान हठी रुख अपनाए रखता है तो भारत मुंहतोड़ जवाब देकर पाकिस्तान और उसकी आतंक परस्त सेना के हौसले पस्त कर देगा। यानी पाकिस्तान पीछे नहीं हटता तो युद्ध के हालात गंभीर होंगे और पाक को बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत अब नियंत्रण रेखा हो या अंतरराष्ट्रीय सीमा लांघने से संकोच नहीं करेगा। भारत ने यह 2016 और 2019 में पाक स्थित आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक करके दिखा भी दिया था। वे दिन लद गए जब आतंकियों द्वारा कराए गए छद्म युद्ध में केंद्र में स्थित सरकारें कठोर निर्णय लेने में हिचकिचाती रही हैं। पहलगाम हमले के बाद जिन पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया गया था, तब प्रधानमंत्री ने संकल्प लेते हुए कहा था कि इस बार आतंकियों को कल्पना से परे सजा दी जाएगी।

भारत की मजबूत रणनीति

अंततः मोदी ने सेना के तीनों अंगों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर मजबूत रणनीति बनाई और फिर आतंकियों और पाक के सुरक्षा उपकरणों को दो दिन के भीतर जमींदोज कर दिया। हालांकि युद्ध के संकल्प को तार्किक कामयाबी तक पहुंचाना मुश्किल होता है। क्योंकि कोई भी सैन्य कार्यवाही न सरल होती है और न ही एकतरफा होती है, लेकिन मोदी के नेतृत्व ने पाकिस्तानी सेना के मंसूबों और उसके सरपरस्त आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करके दुनिया को यह जता दिया कि भारत और हिंदू धर्म के लिए स्त्री के सुहाग का कोई मोल नहीं है। आरंभ में यह सैनिक अभियान नहीं था, लेकिन जब पाक सेना ने सीमा पर गोलाबारी करके भारतीय नागरिकों को मौत के घाट उतारना शुरू कर दिया तो भारत को हमला करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बावजूद पाक सेना को भारत प्रत्यक्ष निशाना नहीं बना रहा है। नागरिक वस्तुओं पर हमला करने से बच रहा है। हां, आतंकी ठिकानों पर जरूर हमले किए हैं, जिनमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। इस अर्थ में भारत की यह कार्रवाई रक्षात्मक थी। नतीजतन पाक को जवाबी कार्रवाई की कोई नैतिक गुंजाइश नहीं रह गई थी। बावजूद पाकिस्तान ने नागरिक बस्तियों पर हमले बोले। अलबत्ता भारत ने जो पलटवार किया है, वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत ही किया है। इस हमले के बाद भारत के पक्ष में जिस तरह विश्व समुदाय उठ खड़ा हुआ है, उससे पाक फिलहाल अलग-थलग पड़ गया लग रहा है। जाहिर है, मोदी ने अनेक देशों की यात्राएं करके जो द्विपक्षीय कूटनीतिक संबंध राष्ट्रहित में बनाए हैं, वे अब फलीभूत होते लग रहे हैं। इसीलिए कहीं से भी समर्थन नहीं मिल पाने की वजह से एक तो पाक बौखला रहा है, दूसरा उसका मनोबल भी टूट रहा है। मोदी ने वैश्विक आतंकवाद से लड़ने के लिए बीते पांच साल से जो मुहिम चलाई हुई थी, वह एक रंग में रंगी दिखाई दे रही है। उधर, बलूचिस्तान ने पाकिस्तान की सभी चौकियों से सेना को खदेड़कर स्वतंत्र देश की मांग संयुक्त राष्ट्र से कर दी है और पीओके के नागरिक भारत में विलय की मांग कर रहे हैं, यानि पाकिस्तानी की मुश्किलें अभी और बढ़ेंगी।

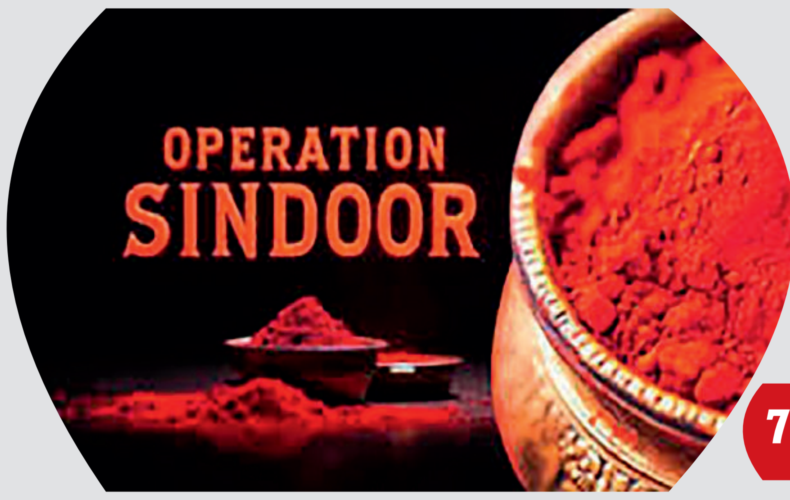

कंधार हाईजैक, मुंबई हमले के मास्टरमाइंड ढेर

7 मई को लांच हुआ था ऑपरेशन सिंदूर, 86 घंटे में दहल गया पाक

भारत ने 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। न्यूज एजेंसी एएनआई ने खुफिया एजेंसियों के हवाले से शनिवार को इनमें से 5 आतंकियों की लिस्ट जारी की। इनके नाम अबू जुंदाल, हाफिज मुहम्मद जमील, मोहम्मद यूसुफ अजहर, मोहम्मद सलीम, घोसी साहब और मोहम्मद हसन खान हैं। यूसुफ कंधार हाईजैक का मास्टरमाइंड और जुंदाल मुंबई हमले में शामिल था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम अटैक के बाद आतंकियों के 9 ठिकानों को मिसाइल से निशाना बनाया था। ये पांचों आतंकी एक साथ या अलग-अलग मारे गए, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। आइए जानते हैं इनके बारे में...

ढेर हुए आतंकियों में मसूद अजहर का भाई, लश्कर इंचार्ज अबू जुंदाल और जैश का हाफिज मोहम्मद भी

इसके तहत पाकिस्तान और पीओके में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था

मुदस्सर खड़ियान खास उर्फ अबू जुंदाल

लश्कर-ए-तैयबा का यह आतंकवादी मुरीदके के मरकज तैयबा का प्रभारी था। ऑपरेशन की रात में वहीं पर मौजूद था। पाकिस्तान से जो खुफिया जानकारी आई है, उसके मुताबिक अबू जुंदाल के अंतिम संस्कार में पाकिस्तानी सेना द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जुंदाल के अंतिम संस्कार में पाक सेना प्रमुख और पंजाब के मुख्यमंत्री (मरियम नवाज) की ओर से पुष्पांजलि अर्पित की गई। उसके अंतिम संस्कार की नमाज एक सरकारी स्कूल में आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व जमात-उद-दावा (एक नामित वैश्विक आतंकवादी) के हाफ़िज़ अब्दुल रऊफ़ ने किया। पाक सेना के एक सेवारत लेफ्टिनेंट जनरल और पंजाब पुलिस के आईजी नमाज समारोह में शामिल हुए। अबू जुंदाल 2008 के मुंबई हमलों में शामिल था।

हाफ़िज़ मुहम्मद जमील : जैश ए-मोहम्मद से संबंधित जमील मौलाना मसूद अजहर का सबसे बड़े बहनोई था। जिस दिन ऑपरेशन हुआ था, उस दिन जमील बहावलपुर के घर में सो रहा था। जमील के जिम्मे मरकज सुभानअल्लाह की जिम्मेदारी थी। जमील युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और जैश-ए-मोहम्मद के लिए धन जुटाने में सक्रिय रूप से शामिल था।

खालिद अबू आकाश: लश्कर-ए-तैयबा का यह आतंकवादी अफगानिस्तान से हथियार सप्लाई का काम करता था। जिस दिन हमला हुआ, उस दिन वह अपने घर में सो रहा था। खालिद पर जम्मू में आतंक फैलाने का आरोप था। खालिद का अंतिम संस्कार फैसलाबाद में किया गया, जहां वरिष्ठ पाकिस्तानी सेना के अधिकारी और फैसलाबाद के डिप्टी कमिश्नर शामिल हुए।

मोहम्मद हसन खान : जैश का यह आतंकवादी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद के ऑपरेशनल कमांडर मुफ़्ती असगर खान कश्मीरी का बेटा था। इसने पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों के समन्वय में अहम भूमिका निभाई थी।

मोहम्मद यूसुफ अजहर

जैश के इस आतंकवादी को उस्ताद और मोहम्मद सलीम के नाम से भी जाना जाता था। यह मसूद अजहर का साला था। जैश के मदरसे में अजहर हथियारों की ट्रेनिंग संभालता था। अजहर जम्मू के कई आतंकवादी हमलों में शामिल था। आईसी-814 अपहरण यानी कंधार हाईजैक मामले में उसे वांछित माना गया था।

भारत ने इन 9 आतंकी ठिकानों पर की थी एयर स्ट्राइक

भारतीय सेना ने 7 मई को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में जिन 9 लोकेशन पर 24 से ज्यादा हमले किए थे, उनमें से चार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित हैं, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय मरकज सुभान अल्लाह और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय मरकज तैयबा, सियालकोट में जैश का सरजल कैंप और हिजबुल मुजाहिदीन का महमूना कैंप शामिल हैं। इसके अलावा अन्य पांच ठिकाने पीओके में स्थित हैं, जिनमें कोटली में लश्कर का बॉम्बर कैंप और गुलपुर कैंप, मुजफ्फराबाद में लश्कर का सवाई कैंप और जैश का बिलाल कैंप और भीमबेर में बरनाला टेरर कैंप शामिल हैं, जिन्हें भारतीय सेना ने एयर स्ट्राइक में नेस्तनाबूद कर दिया था। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक आतंकी शिविरों पर भारत की इस एयर स्ट्राइक में 100 के करीब आतंकियों के मारे जाने की संभावना है।

सियालकोट में आतंकियों के लॉन्च पैड को किया तबाह

बीएसएफ का लूनी में बड़ा एक्शन

जम्मू बीएसफ ने पाकिस्तान के सियालकोट जिले में लूनी के आतंकी लॉन्च पैड को तबाह कर दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने बीएसएफ के सूत्रों से इसे लेकर एक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें आतंकी लॉन्चपैड धू-धू कर जलता हुआ दिखाई दे रहा है। जिस लॉन्चपैड को तबाह किया गया है, वह अखनूर एरिया में है। पाकिस्तान की तरफ से हो रहे सभी हमलों का सेना की तरफ से करारा जवाब दिया जा रहा है। 9-10 मई की रात पाकिस्तान ने सारी सीमाओं को तोड़ते हुए भारत पर फतेह-1 मिसाइल से सीधा हमले करने की कोशिश की, जिसे भारत ने पूरी सजगता से नाकाम कर दिया। पड़ोसी देश पाकिस्तान द्वारा अपने ऊपर किए जा रहे इन हमलों का भारत की सेना लगातार जवाब दे रही है। बता दें कि बीती पूरी रात पाकिस्तान सीमावर्ती क्षेत्रों में अलग-अलग जगहों पर ड्रोन से हमला कर रहा है, जिसे भारत अपने मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम से नाकाम कर रही है।

भारत ने दागीं 6 बैलिस्टिक मिसाइलें पाकिस्तान के 4 एयरबेस भी तबाह

भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर तनाव बना हुआ है। सीजफायर के पहले पाकिस्तान लगातार भारत पर हमले कर रहा था। भारत उसका मुंहतोड़ जवाब दे रहा था। गुरुवार के बाद शुक्रवार देर शाम से ही पाकिस्तान की तरफ से लगातार भारत के 26 शहरों में आबादी वाले क्षेत्रों को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले किए, जिन्हें भारतीय रक्षा प्रणाली ने पूरी तरह विफल कर दिया। इस बीच पाकिस्तान आर्मी ने दावा किया है कि भारत ने छह बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। पाकिस्तान ने इसे भारत का गैर-जिम्मेदाराना हरकत करार दिया है। जिसके बाद पाकिस्तान ने एयरबेस बंद कर नोट जारी किया है। हालांकि, भारत सरकार की ओर से हमले को लेकर अभी कोई भी पुष्टि नहीं की गई है।

पाकिस्तानी सेना ने क्या कहा

पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क विभाग आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया है कि भारत की ओर से छह बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गई हैं। यह मिसाइलें भारत ने जालंधर के आदमपुर एयरबेस से दागी हैं। रावलपिंडी, इस्लामाबाद और लाहौर में कई जोरदार धमाकों की खबर है, जिनकी गूंज दूर-दूर तक महसूस की गई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई और वे घरों से बाहर निकल आए।

1971 के बाद तीनों सेनाओं ने एक साथ सिखाया पाक को सबक

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

7 मई 2025 को भारत ने आतंकवाद के खिलाफ इतिहास रचते हुए पाकिस्तान पर सबसे बड़ा और सबसे गहरा सैन्य प्रहार किया। इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया, जो सिर्फ एक जवाबी हमला नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीतिक क्षमता, राजनीतिक संकल्प और सैन्य तालमेल का प्रतीक बन गया है। यह ऑपरेशन न केवल सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह भारत के सैन्य इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे समूहों से जुड़ी आतंकी गतिविधियों पर कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को करारा झटका दिया।

कई मायनों में ऐतिहासिक रहा 'ऑपरेशन सिंदूर'

यह पहली बार, जब परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के भीतर हुई दुनिया में कार्रवाई

पहली बार तीनों सेनाओं का संयुक्त प्रहार

1971 के बाद यह पहली बार हुआ जब थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने एक साथ साझा कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के अंदर गहराई तक हमला बोला। भारत ने आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के ठिकानों को निशाना बनाते हुए आतंकवाद के नेटवर्क की रीढ़ तोड़ दी।

चैनलों और सोशल मीडिया से डिलीट करवा रहा फोटो-वीडियो

हिन्दुस्तान ने मचाई तबाही तो नुकसान छुपाने में लगा पाक

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान में सीजफायर हो गया है। अब पाकिस्तान हमले में हुए नुकसान को छुपाने में लगा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक कर लशकर ए तैयबा, जैश ए मुहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया और बड़ी संख्या में आतंकियों को मारा था।

उसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के कई शहरों में ड्रोन से हमले किए जिसके जवाब में हिंदुस्तान ने पाक के कई शहरों पर जवाबी कार्रवाई की। भारत ने पाकिस्तानी एयर डिफेंस की बखिया उधेड़ते हुए उसके चार एयरबेसों को मिसाइल हमले में तबाह कर दिया। पाकिस्तानी सेना भारतीय हमलों में हुए नुकसान को छिपाने की रणनीति पर काम कर रही है। पाकिस्तान की मीडिया अपने यहां हुए नुकसान की खबरों को कवर नहीं कर रही है। भारतीय हमले से जुड़ी कोई भी खबर पाकिस्तान की मीडिया में नहीं ब्रॉडकास्ट किया जा रहा है। पाकिस्तानी सेना ने भारतीय हमले में हुए नुकसान से जुड़े दृश्यों को दिखाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। पाकिस्तानी सेना से जुड़े अकाउंट्स ने यूजर्स से सोशल मीडिया पर नुकसान की तस्वीरें नहीं पोस्ट करने की गुजारिश की है साथ ही डाली गई तस्वीरें हटाने को कहा है।

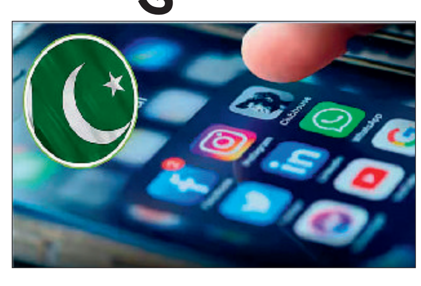

इंटरनेट से नुकसान के वीडियो हटवा रही पाक सेना : स्थानीय लोगों ने फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हैं, जिनमें भारतीय मिसाइलों के हमले से जमीन में बड़े-बड़े गड्ढे नजर आ रहे हैं। पाकिस्तानी सेना अब इन तस्वीरों और वीडियो को डिलीट करवाने में लगी है, जिससे उसको पड़ी मार का लोगों को पता न चल सके।

कर्नल सोफिया ने तस्वीरें दिखाकर पाक का झूठ किया बेनकाब!

नई दिल्ली। 10 मई 2025 को भारतीय सेना की प्रेस ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने पाकिस्तान के झूठे दावों को तस्वीरों और सबूतों के साथ उजागर किया। कर्नल सोफिया ने बताया कि पाकिस्तान यह झूठा प्रचार कर रहा था कि भारत ने सूरत और सिरसा जैसे हवाई अड्डों को खो दिया है, जो बिलकुल गलत है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान अपने नागरिकों को ढाल बनाकर झूठी तस्वीरें और वीडियो फैला रहा था। भारत के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को समय रहते नष्ट कर दिया था, जिससे कोई बड़ी क्षति नहीं हुई। भटिंडा में एक सशस्त्र ड्रोन को रात के समय ट्रैक कर निष्क्रिय किया गया और भुज में भी हमले को नाकाम कर दिया गया था।

अफगानिस्तान को लेकर पाक सरकार ने बोला झूठ

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि भारत ने अपनी मिसाइलों से अफगान क्षेत्र पर हमला किया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खावरिज़मी ने हुर्रियत रेडियो से बातचीत में कहा कि ऐसे किसी भी हमले का कोई आधार नहीं है, यह दावा पूरी तरह निराधार है।

भारत पर लगाए आरोपों का तालिबान सरकार ने किया खंडन

इधर सीजफायर, लेकिन उधर पाकिस्तान की हालत खराब

बलूचिस्तान में बलूच आर्मी ने एक साथ 39 जगह किया अटैक!

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान के बीच भले ही सीजफायर हो गया है लेकिन पाकिस्तान का हालत उसके भीतर बहुत खराब है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) लगातार अटैक कर रही है। शनिवार को भी कई जगहों पर निशाना बनाया गया है।

बलूचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ अपना एक्शन तेज़ कर दिया है। बलोच लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता जियांद बलोच की ओर से जारी बयान के मुताबिक, बीएलए ने बलूचिस्तान के 39 अलग-अलग ठिकानों पर अटैक किया है। बीएलए का कहना है कि हमारा ये ऑपरेशन अभी भी जारी है, इस ऑपरेशन के दौरान बड़े हाइवे को निशाना बनाया जा रहा है, साथ ही पाकिस्तानी पुलिस स्टेशन, पाकिस्तानी सेना और उनके हथियारों को पकड़ा जा रहा है।

बीएलए ने अपने बयान में लिखा है, 'हमने पाकिस्तानी पुलिस चौकियों, बड़े हाइवे, सेना के जासूस, पाकिस्तानी सेना के हथियार और उनके काफिले को निशाना बनाया है। हमारा ये ऑपरेशन जारी है और आगे विस्तृत रूप से जानकारी दी जाएगी।

बलोच आर्मी लगातार पाकिस्तान को दे रही झटका

बता दें कि एक तरफ जहां पाकिस्तानी सेना भारत से भिड़ने की असफल कोशिश कर रही है, दूसरी तरफ उसे बलोच लिबरेशन आर्मी से अपने ही मुल्क में मुंह की खानी पड़ रही है। पिछले तीन दिनों (7-9 मई) में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में कई घातक हमले किए हैं, जिनमें पाकिस्तानी सेना को भारी नुकसान हुआ। 7 मई को बोलन के मच-कच्छी जिले में बीएलए ने एक सैन्य काफिले पर रिमोट-नियंत्रित **IED** हमला किया, जिसमें 12 सैनिक मारे जाने का दावा किया गया, जिनमें विशेष अभियान कमांडर तारिक इमरान और सूबेदार उमर फारूक शामिल थे. उसी दिन केच के कुलाग तिगरान क्षेत्र में सेना की बम निष्क्रिय इकाई पर हमले में दो सैनिक और एक बम विशेषज्ञ की मौत हुई। बीएलए ने इन हमलों को पाकिस्तानी सेना की "दमनकारी नीतियों" के खिलाफ जवाबी कार्रवाई बताया। इतना ही नहीं 8 मई को भी क्वेटा में बीएलए ने छह हमले किए, जिनमें सैन्य ठिकानों और सुरक्षा चौकियों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में कई सैनिक हताहत होने की खबर है। बीएलए ने दावा किया कि ये कार्रवाई बलोच जनता पर हो रहे अत्याचारों का बदला हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

युद्ध विराम...

देश द्वारा ड्रोन, लंबी दूरी के हथियारों और लड़ाकू विमानों का उपयोग करके रक्षा बुनियादी ढांचे और नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने की 'उकसावे वाली' कार्रवाई के जवाब में पाकिस्तान में आठ सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना ने कहा कि निशाना बनाए गए पाकिस्तानी प्रतिष्ठानों में एक हथियार डिपो और नियंत्रण केंद्र शामिल हैं। भारत ने कहा कि उसने पश्चिमी सीमा पर ड्रोन, लंबी दूरी के हथियारों एवं लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर अन्य इलाकों और सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर खतरे पैदा करने की पाकिस्तान की उकसावे वाली कार्रवाई को प्रभावी ढंग से नाकाम कर दिया है। भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान अपने सैनिकों को सीमावर्ती इलाकों में लेकर जा रहा है जो स्थिति को और तनावपूर्ण करने के 'आक्रामक इरादे' का संकेत है। सेना ने साथ ही कहा कि वह अभियानगत रूप से पूरी तरह तत्पर हैं। सैन्य प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बल तनाव न बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं, बशर्ते पाकिस्तानी सेना भी ऐसा ही करे। उन्होंने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ एक विशेष संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मिसरी ने कहा कि भारत ने पाकिस्तानी सेना की 'उकसाने वाली' एवं 'तनाव बढ़ाने वाली' कार्रवाइयों का नपा-तुला जवाब दिया है तथा पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर एवं पंजाब में निर्दोष लोगों एवं असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का अपना घृणित और अनियंत्रित अभियान जारी रखे हुए है।

सख्त संदेश, भविष्य...

गया है। एक शीर्ष सरकारी सूत्र ने कहा, भारत में भविष्य में होने वाले किसी भी आतंकवादी कृत्य को देश के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसका जवाब उसी के अनुसार दिया जाएगा। इस कदम को पाकिस्तान के लिए कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जो भारतीयों को निशाना बनाने में शामिल विभिन्न आतंकवादी समूहों से जुड़ा हुआ है। यह निर्णय 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच लिया गया। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक शामिल थे।

अमेरिका की मध्यस्थता...

मुनीर से बातचीत के बाद की। रुबियो ने भी 'एक्स' पर ऐसा ही बयान दिया है। रुबियो ने कहा, पिछले 48 घंटे में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख मुनीर और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल समेत वरिष्ठ भारतीय और पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत की है।

नक्सली हमले में...

लिए उनके पति ने पुलिस फोर्स ज्वाईन किया था। 0 **हालातों से मिली हिम्मत**-पति की शहादत के बाद दो बेटियों की जिम्मेदारी मां रेणु झा के कंधे पर आ गई। कभी वह अपनी बच्चियों को दिलासा देती तो कभी खुद को संभालती, लेकिन उसने अपनी हिम्मत नहीं खोई। पति की शहादत के दौरान रेणु झा का विवाह हुए 6 वर्ष ही हुए थे। ऐसे में उनकी एक बेटी सोनल 5 वर्ष की थी और दूसरी बेटी खुशबू झा महज 9 माह की थी। पति की शहादत पर गर्व करते उन्होंने अपनी बड़ी बेटी सोनल झा को पुलिस विभाग में भेजने का फैसला लिया। कुछ वर्षों तक बल आरक्षक रहने के बाद वर्ष 2023 से सोनल झा पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। 0 **पुलिस की वर्दी का मान**-पुलिस विभाग में रहते हुए पति की शहादत के बाद भी बेटी को पुलिस विभाग की नौकरी में भेजने को लेकर रेणु झा कहती है कि उन्हें अपने पति के शहादत पर गर्व है।

पति की शहादत...

खेती की, भैंसे पाली। खूब मेहनत की। इससे जो आमदनी हुई, उससे घर चलाया। बाकी चीजें संभाली। शासन से भी सहयोग मिला। मेरी बड़ी बेटी प्रियंका यादव ने एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली है। उसने सेवा करने के लिए चिकित्सा का क्षेत्र चुन लिया है।

पति कश्मीर में...

के कई हिस्सों में तैनात की गई। सिंगल मदर होते हुए भी कोशिश की है उसकी हर ख्वाहिशों को पूरी करने और उसे एक जिम्मेदार नागरिक बनाने की। महिलाओं की खूबी होती है कि वो हर रिश्ता बैलेंस कर लेती है। जब नौकरी में रहती हैं तो प्रतिष्ठा के साथ काम करती हैं और निजी जीवन भी संभाल लेती हैं।

आशा का एक...

मां हैं, जिन्होंने देश की सेवा और सुरक्षा के लिए अपने दोनों ही बेटों को भेज दिया। आशा ने अपने बेटों की ऐसी परवरिश की और संस्कार दिया, जिसका परिणाम आज पूरा दुनिया देख रहा है। उनकी कोख से जन्में दोनों ही बेटों ने शहर, प्रदेश और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। कुछ साल पहले एक आंतकी हमले में उनके बड़े बेटे कर्नल विप्लव परिवार सहित बलिदान हो गए, वहीं छोटे बेटे कर्नल अनय त्रिपाठी आज भी भारत की सीमा पर देश की सुरक्षा में लगे हुए हैं। **परिवार के साथ वीरगति को हुए प्राप्त**-उन्होंने नम आंखों से बताया कि देहरादून में पदस्थ रहते हुए शहीद विप्लव का विवाह बिलासपुर की अनुजा शुक्ला से हुआ। आईएमए में पदस्थ रहते हुए ही उनकी यूनिट को संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना के लिए दक्षिण अफ्रीका के कांगों में भेजा गया, जहां वे एक साल तक रहे। लौटने के बाद उनकी पदस्थापना लखनऊ में हुई। जहां उन्हें 5 फरवरी 2015 को पुत्ररत्न अबीर त्रिपाठी के रूप में प्राप्त हुआ। 2016 में कर्नल विप्लव त्रिपाठी और उनके छोटे भाई कर्नल अनय त्रिपाठी दोनों का चयन एक साथ आर्मी स्टॉफ कॉलेज वेलिंगटन के लिए हुआ था। वेलिंगटन में रहते हुए ही उन्हें कर्नल के पद पर पदोन्नत कर दिया गया था। इनको मथुरा स्ट्राइक कोर 1 में जनरल स्टाफ ऑफिसर 1 के रूप में पदस्थ किया गया। जुलाई 2019 में उनका चयन कमांड ऑफिसर के पद पर 46 असम राईफल्स आइजोल (मिजोरम) में हुआ। आइजोल से जून 2021 में इनकी पूरी बटालियन को आतंकवाद प्रभावित इलाका मणिपुर के खुगा में भेजा गया। 12 नवंबर 2021 को कर्नल विप्लव अपनी पत्नी अनुजा और पुत्र अबीर के साथ म्यांमार सीमा से लगे बेहांग बॉर्डर पर स्थित भारतीय पोस्ट के निरीक्षण के लिए गए हुए थे। 13 नवंबर को जब कर्नल विप्लव त्रिपाठी अपने काफिले के साथ वापस अपने मुख्यालय लौट रहे थे तब बेहांग पोस्ट और दूसरी पोस्ट के बीच आतंवादी संगठनों द्वारा लगाए गए एंबुश की जद में आ गए। अलगाववादियों ने आईडी लगाकर उनके पायलट वाहन को उड़ा दिया और उसके बाद दोनों तरफ से कर्नल विप्लव जिस वाहन में थे उसमें गोलियों की बौछार कर दी। तब भी कर्नल विप्लव त्रिपाठी अपनी कारबाइन और सर्विस रिवाल्वर की आखिरी गोली तक अलगवावादियों का मुकाबला करते रहे, लेकिन अंततः अपनी पत्नी अनुजा और पुत्र अबीर के साथ वीरगति को प्राप्त हो गए। **ड्रग माफियाओं की नजर में आ गए थे शहीद विप्लव**-शहीद की मां ने बताया कि मिजोरम में शहीद विप्लव ने तस्करों के खिलाफ धड़ाधड़ कार्रवाई की थी। कर्नल विप्लव की इस उपलब्धि पर वहां के राज्यपाल ने कर्नल विप्लव को न केवल पुरस्कृत और सम्मानित किया था बल्कि एक एन्टी ड्रग स्कॉड के गठन के लिए भी उन्हें जिम्मेदारी दी थी। इसी समय से वे ड्रग माफियाओं की नजर में आ गए थे। मिजोरम में ड्रग तस्करों को रोकने और विफल करने के कारण ही उन्हें मणिपुर पदोन्नत किया गया था। चूंकि मणिपुर ही ड्रग माफियाओं के लिए आदर्श स्थान था और यहीं पर उनके साथ दुर्घटना घटी। **छोटा बेटा सीमा पर दे रहा पहरा**-शहीद की मां ने बताया कि उनके छोटे बेटे कर्नल अनय त्रिपाठी वर्तमान में कमांडेंट, तीसरी बटालियन असम रेजीमेंट, कolकोलकाता में पदस्थ हैं। यहां भारत की सीमा पर वो पहरा दे रहे हैं। वर्तमान में जिस तरह भारत-पाकिस्तान युद्ध चल रहा है, जिसे देखते हुए कर्नल अनय देश सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। **गर्व है मुझे अपने बेटों पर**-आशा त्रिपाठी ने नम आखों में से कहा कि उन्हें उनके बड़े बेटे विप्लव, उनकी बहू अनुजा व नाती अबीर के इस तरह चले जाने से बहुत दुख हुआ। उनकी आंखों के सामने उनके बेटे और परिवार का पार्थिव शरीर तिरंगा में लिपटे हुए आया तो एक मां होने के नाते वो सदमे में चली गईं। जब उन्होंने होश संभाला तो उन्हें इस बात का गर्व हुआ कि वो शहीद विप्लव की मां हैं। वो कहती हैं कि एक बेटे ने देश लिए अपनी जान दी और दूसरा देश के सुरक्षा के लिए बॉर्डर पर तैनात है। इस बात से उन्हें काफी गर्व होता है कि उनके दोनों बेटे सेना में गए।

पाकिस्तान के 6...

देहरादून से पास आउट होने के बाद उन्हें लेफ्टिनेंट के पद पर भारतीय सैन्य सेवा में कमीशन प्राप्त हुआ। वो कुमाऊँ रेजीमेंट के ऑफिसर बने। उनकी पहली पोस्टिंग सियाचिन में हुई। कुपवाड़ा में विप्लव के मार्गदर्शन में भारतीय सेना के जवानों ने पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ करने वाले 6 आतंकवादियों को मार गिराया था। फिर उन्हें मेजर के पद पर पदोन्नत करते हुए आईएमए देहरादून में इंस्ट्रक्टर के पद पर पदस्थ किया गया था।

गोद में बेटी...

गई। इस बीच टीवी पर सेना में अफसर रह चुकीं गीतांजली मैम का इंटरव्यू देखा। वे भी अपने पति की मौत के बाद सेना में आई थीं। फिर मैंने भी सेना में जाने का फैसला कर लिया। घर वाले थोड़े अचंभित हुए, लेकिन सहयोग किया। मैंने फॉर्म भरा और मेरा सलेक्शन भी हो गया। उस वक्त बेटी 8 साल की थी। उसे एक साल के लिए भाई के पास छोड़ा। मार्च 2011 में सेना के आयुध कोर में कमीश्नर बन गई। इतने वर्षों में मैंने जो देखा है और महसूस किया है, उसके अनुसार एक मां होने के बाद भी जब आप युद्ध क्षेत्र में होते हैं तो देश ही पहली प्राथमिकता होता है। युद्ध के समय सेना के साथ-साथ उनका पूरा परिवार लड़ाई लड़ रहा होता है।

पति के शहादत...

लिए पुलिस विभाग में ज्वाईन करवाया अब बेटे अपने पिता की जगह नक्सलियों से लोहा लेने बस्तर के अलग अलग क्षेत्रों में तैनात है। प्रधान आरक्षक के पद पर तैनात रहे लैखन सेठिया की शहादत 12 जुलाई 2008 को मारडूम साप्ताहिक बाजार में ड्यूटी के दौरान हुई जब नक्सलियों ने हमला कर फायरिंग की, जिसमें गोली लगने से वे शहीद हुए। पति के शहादत के बाद मां ने अपने नाबालिग पुत्र महेन्द्र कुमार सेठिया को देश सेवा के लिए भेजने में तनिक भी झिझक महसूस नहीं की, उनका पुत्र महेन्द्र बाल आरक्षक के रूप में भर्ती हुआ और अब आरक्षक के पद पर तैनात होकर नक्सलियों से लोहा ले रहा है।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा
डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है।* देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा में कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तोला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में हैं या जीवन में अकेली पड़ गई हैं तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव
डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाने हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

'मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर में उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

तुरंत मिल सकता है 20 हजार रुपये का लोन, पे-स्लिप भी जरूरी नहीं

सुझाव | बिजनेस डेस्क

कभी-कभी जिंदगी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है। कोई मेडिकल इमरजेंसी, घर में कोई परेशानी या जरूरी खर्च, लेकिन अगर आपकी कोई सैलरी नहीं है, तो लोन मिलना मुश्किल लग सकता है। ऐसे में आदमी परेशान हो जाता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी आपको घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सूझबूझ से काम लेना चाहिए। अच्छी बात यह है कि आज कई डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म ऐसे लोगों को भी लोन दे रहे हैं, जिनके पास सैलरी स्लिप नहीं है। यानी अगर आप पारंपरिक नौकरीपेशा नहीं हैं, तब भी 20,000 रुपये तक का लोन बड़ी आसानी से आपको मिल सकता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि आप कैसे बिना सेलरी स्लिप के भी बड़े आराम से 20000 रुपये तक का लोन लेकर अपने खर्च को चला सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा परेशान होनी की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ आपको अपना क्रेडिट स्को मेंटेन करना है। लोन के लिए क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होना जरूरी है। यह आपके लोन चुकाने की क्षमता को दर्शाता है।

लोन लेने से पहले ध्यान दें

क्रेडिट स्कोर
लोन के लिए क्रेडिट स्कोर बहुत जरूरी होता है। यह 300 से 900 के बीच का एक नंबर होता है, जो आपकी लोन चुकाने की क्षमता बताता है। अगर आपका स्कोर 750 से ऊपर है, तो बिना सैलरी स्लिप के भी लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

इनकम प्रूफ
अगर आप खुद का बिजनेस करते हैं या फ्रीलांसर हैं, तो इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर), बैंक स्टेटमेंट या इनकम सर्टिफिकेट से अपनी आमदनी दिखा सकते हैं।

गारंटर या गिरवी
अगर आपके पास सैलरी नहीं है, तो कुछ बैंक या लेंडर गारंटर या कोई संपति गिरवी रखने पर लोन दे सकते हैं। गारंटर की स्थायी इनकम आपके लोन अप्रूवल में मदद कर सकती है।

सिक्योर्ड लोन विकल्प
अगर आप कोई गहना या अन्य संपत्ति गिरवी रखते हैं, तो सिक्योर्ड लोन लेना आसान हो सकता है। इससे लेंडर को भरोसा होता है कि लोन वापस मिलेगा।

पुराने लेंडर से संबंध
अगर आपने पहले किसी लेंडर से लोन लिया है और समय पर चुकाया है, तो वह आपको दोबारा आसानी से लोन दे सकता है – भले ही सैलरी स्लिप न हो।

को-अप्लिकेंट के साथ लोन लें
अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ लोन अप्लाई करते हैं जिसकी क्रेडिट हिस्ट्री अच्छी हो, तो लोन मिलने के चांस बढ़ जाते हैं।

जरूरी डॉक्युमेंट्स
■ **केवाईसी डॉक्युमेंट्स** : आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि ■ **पते का प्रमाण** : बिजली बिल, रेंट एग्रीमेंट, राशन कार्ड ■ **वैकल्पिक इनकम प्रूफ** : बैंक स्टेटमेंट, आईटीआर, या बिजनेस से जुड़ा कोई दस्तावेज ■ लोन अप्लाई करने का प्रोसेस ■ सभी डॉक्युमेंट्स तैयार रखें ■ केवाईसी पते का प्रमाण और इनकम प्रूफ साथ रखें ताकि प्रोसेस जल्दी हो सके।

एलिजिबिलिटी चेक करें
लोन अप्लाई करने से पहले बैंक या ऐप पर अपनी योग्यता चेक करें। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी और लोन मिलने में आसानी भी होगी।

लोन अमाउंट और अवधि तय करें
ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके देखें कि 20,000 रुपये का लोन कितनी ईएमआई में चुकाया जा सकता है। इससे आपकी योजना मजबूत बनेगी।

क्या कहते हैं जानकार
बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, तो बैंक से मदद ली जा सकती है। उनका कहना है कि बैंक तात्कालिक जरूरतों के लिए टेम्परारी ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। इसके अलावा, ग्राहक पर्सनल लोन भी ले सकते हैं।" पर्सनल लोन पर ब्याज दर 10% से 24% सालाना तक हो सकती है, जो हर बैंक में अलग-अलग होती है। इसकी अवधि आमतौर पर 1 साल से 3 साल तक हो सकती है।

चांदी का वॉल्यूम 313 करोड़ रुपये पर पहुंचा, इस गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग जबरदस्त बढ़ी

लगातार चमक रही चांदी, इसके आगे सोना फेल, सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुना तेजी आई

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- ईटीएफ एक आकर्षक निवेश का विकल्प बन रहे
- बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती
- निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे

फिजिकल गोल्ड में निवेश करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है, और इसके साथ ही यह जागरूकता भी बढ़ रही है कि खरीदे गए सोने की शुद्धता की जांच जरूरी है। लोग अब जांच परख के बाद ही सोना खरीद रहे हैं।

इस साल चांदी की चमक लगातार बढ़ती जा रही है। चांदी की रफ्तार के आगे सोना भी फेल हो गया। हालांकि सोने ने भी इस अपना सर्वकालिक उच्च सतर हासिल किया है, लेकिन देखा जाए तो चांदी सोने से काफी आगे निकली है। इस साल सिल्वर ईटीएफ में 3.3 गुण तक की तेजी देखने को मिली है। गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, पूरे इंडस्ट्री का कुल वॉल्यूम लगभग 2.9 गुना बढ़कर 644 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 224 करोड़ रुपये पर था। इस तेज बढ़त से यह साफ है कि त्योहारों के मौके पर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) एक आकर्षक निवेश विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। स्थानीय निवेशक भी इसमें बढ़चढ़कर दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में सिल्वर ईटीएफ निवेश का सबसे बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ में बीते एक साल में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। 30 अप्रैल 2025 तक इनका ट्रेडिंग वॉल्यूम 130 करोड़ से 2.5 गुना बढ़कर 331 करोड़ हो गया। हालांकि, सिल्वर ईटीएफ की बात करें तो इसने भी शानदार प्रदर्शन किया। इसका वॉल्यूम 95 करोड़ से 3.3 गुना की जबरदस्त ग्रोथ लेकर 313 करोड़ पहुंच गया। ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से सिल्वर ईटीएफ इस साल का सबसे तेज ग्रोथ देने वाला सेगमेंट बन गया। इसने इस मामले में सोने को भी पीछे छोड़ दिया।

ईटीएफ में तेजी की वजह

सुविधा
ट्रेडिंग वॉल्यूम में आई इस तेज बढ़ोतरी के पीछे कई अहम कारण हैं। जैसे निवेशकों को सोने या चांदी में निवेश करने के लिए अब उसकी शुद्धता या सुरक्षित स्टोरेज की चिंता नहीं करनी पड़ती। ईटीएफ को शेयर की तरह ही डिमैट अकाउंट के जरिए खरीदा-बेचा जा सकता है। इससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती और इसे खरीदना और बेचना बेहद आसान है। इसमें एसआईपी की तरह ही निवेश किया जा सकता है।

लागत में बचत
फिजिकल गोल्ड खरीदने पर मेकिंग चार्ज, स्टोरेज खर्च और शुद्धता का जोखिम जुड़ा होता है। इसके मुकाबले ईटीएफ में लेनदेन की लागत कम होती है और बेहतर लिक्विडिटी के कारण ट्रेडिंग में रुकावट नहीं आती। इसलिए यह निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बनकर सामने आ रहा है और निवेशकों को मालामाल कर रहा। इसलिए इस सेगमेंट में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है।

निवेशकों की रुचि
पारंपरिक रूप से अक्षय तृतीया पर फिजिकल गोल्ड की बिक्री में तेजी देखने को मिलती है। अब यही रुझान एक्सचेंज पर भी नजर आ रहा है। इंडस्ट्री लेवल पर गोल्ड ईटीएफ का टर्नओवर सालाना आधार पर 2.5 गुना बढ़ा है, जबकि सिल्वर ईटीएफ का टर्नओवर 3.3 गुना बढ़ा है। सिल्वर की तेज बढ़त यह संकेत देती है कि निवेशक अब सिर्फ गोल्ड तक सीमित नहीं हैं और पोर्टफोलियो में डायवर्सिफिकेशन की ओर बढ़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बता दें कि वित्त वर्ष 2025 में गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ का औसत डेली वॉल्यूम, कुल ईटीएफ टर्नओवर का लगभग 60% था। यह दर्शाता है कि इन प्रोडक्ट्स की पकड़ भारतीय बाजार में लगातार मजबूत हो रही है।

लोअर इम्पैक्ट कॉस्ट्स भी ईटीएफ को बना रहे आकर्षक
अक्षय तृतीया के दिन इंडस्ट्री-वाइड आंकड़ों के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ में औसत इम्पैक्ट कॉस्ट 20 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) रही। हालांकि, कुछ प्रमुख ईटीएफ में यह लागत सिर्फ 2 बीपीएस तक ही रही। सिल्वर ईटीएफ में औसतन इम्पैक्ट कॉस्ट 32 bps रही, लेकिन सबसे ज्यादा लिक्विड ईटीएफ में यह घटकर लगभग 3 बीपीएस तक आ गई। हाई लिक्विडिटी से ईटीएफ अपने अंडरलाइन एसेट प्राइस को बेहतर तरीके से ट्रैक करते हैं, जिससे निवेशकों को ज्यादा सटीक एक्सपोजर मिलता है।

क्या पोर्टपोलियो में गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ शामिल करना चाहिए
हालांकि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इनकी भूमिका पोर्टफोलियो में एकदम खास होती है। वैल्यू रिसर्च इसे विस्तार से समझाता है।

■ डाइवर्सिफायर (विविधता लाने वाले एसेट): ऐतिहासिक रूप से गोल्ड और सिल्वर का इक्विटी मार्केट से कम संबंध होता है। इस वजह से ये पोर्टफोलियो में जोखिम को कम करने में मददगार साबित होते हैं।

■ बेशकीमती धातु (प्रेशियस मेटल्स): आमतौर पर महंगाई बढ़ने या भू-राजनीतिक तनाव के समय बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हालांकि, ये एसेट ग्रोथ देने वाले प्रमुख निवेश विकल्प नहीं माने जाते।

■ लॉन्ग टर्म में इक्विटी ने गोल्ड और सिल्वर दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है। उदाहरण के तौर पर, पिछले एक दशक में गोल्ड ने औसतन 7-8% सालाना रिटर्न दिया है, जबकि इक्विटी मार्केट ने करीब 12-14% सालाना रिटर्न दिया है।

■ सिल्वर की बात करें तो उसमें थोड़ा अलग ट्रेंड देखा जाता है, क्योंकि यह आंशिक रूप से एक इंडस्ट्रियल मेटल भी है। इसलिए इसकी कीमतें मैन्युफैक्चरिंग डिमांड और निवेशकों की धारणा दोनों से प्रभावित होती हैं। यही वजह है कि सिल्वर ईटीएफ थोड़े ज्यादा वोलाटाइल हो सकते हैं, लेकिन जो निवेशक जोखिम समझते हैं उनके लिए यह एक दिलचस्प डाइवर्सिफायर बन सकता है।

समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें

पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां को दे सकते हैं कुछ खास तोहफे

जानकारी | बिजनेस डेस्क

इस बार मदर्स डे पर आप अपनी मां के लिए कुछ खास प्लान कर सकते हैं। कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा, बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप अपनी मां को भेंट कर सकते हैं।

मदर्स डे यानी मां के नाम एक खास दिन। इस बार 11 मई, रविवार को हम सब अपनी मां के लिए कुछ खास करने की तैयारी में हैं। ये दिन हर उस मां के लिए समर्पित होता है जो अपने बच्चों की तरक्की के लिए बिना थके, बिना किसी उम्मीद के लगातार योगदान देती हैं। इस दिन बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए उन्हें सरप्राइज गिफ्ट देते हैं, बाहर खाना खिलाने ले जाते हैं या फिर घर पर खुद खाना बनाते हैं। लेकिन इस बार आप मां को कुछ अलग, कुछ ऐसा दे सकते हैं जो उन्हें न सिर्फ खुशी देगा बल्कि उनका भविष्य भी सुरक्षित करेगा। इसलिए आप भी इस बार मदर्स डे को खास बनाना चाहते हैं और समझदारी और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो एक बार जरूर विचार करें। पीपीएफ से लेकर हेल्थ इंश्योरेंस तक मां के लिए कुछ खास गिफ्ट हो सकते हैं, जिन्हें आप मदर्स डे पर अपनी मां को भेंट कर सकते हैं। अगर आप इस बार एक समझदारी भरा और प्यार से भरा गिफ्ट देना चाहते हैं, तो फाइनेंशियल गिफ्ट्स पर जरूर सोचें। ये गिफ्ट्स मां को टैक्स बचाने, बेहतर रिटर्न पाने और हेल्थ कवर जैसे फायदे भी दे सकते हैं।

1. पीपीएफ (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड)
पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) एक सुरक्षित और टैक्स बचत वाली स्कीम है, जिसमें हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1,50,000 रुपये तक निवेश किया जा सकता है। इसमें खाता खुलने के तीसरे साल से छठे साल तक लोन की सुविधा मिलती है, जबकि सातवें साल से हर साल आंशिक निकासी की अनुमति भी होती है। ऐसे में यह खाता 15 साल में मैच्योर होता है, लेकिन इसे 5-5 साल के ब्लॉक में जितनी बार चाहें बढ़ाया जा सकता है। परिपक्वता के बाद बिना नया निवेश किए भी खाता चालू रखा जा सकता है और ब्याज मिलता रहेगा। खाते में जमा राशि पर आयकर की धारा 80-सी के तहत टैक्स छूट मिलती है और ब्याज पूरी तरह टैक्स फ्री होता है (धारा 10)। साथ ही, इस खाते की राशि कोर्ट के किसी आदेश से जब्त नहीं की जा सकती।

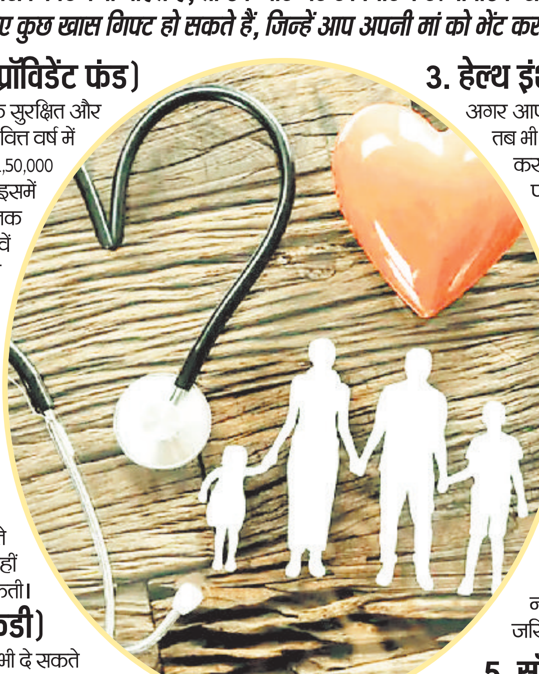

2. फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
मां को आप फिक्स्ड डिपॉजिट का गिफ्ट भी दे सकते हैं। इसमें सालाना 6-7% ब्याज मिलता है। हालांकि ब्याज पर टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपकी मां वरिष्ठ नागरिक हैं और उनकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो वो फॉर्म 15जी/15एच भरकर टीडीएस से छूट ले सकती हैं। यह भी मां के लिए एक खास गिफ्ट हो सकता है।

3. हेल्थ इंश्योरेंस
अगर आपकी मां के पास पहले से एक हेल्थ पॉलिसी है, तब भी आप उन्हें एक अतिरिक्त हेल्थ कवर गिफ्ट कर सकते हैं। मान लीजिए उनके पास 5 लाख की पॉलिसी है और आप उन्हें 5 लाख रुपये की एक और पॉलिसी गिफ्ट करते हैं, तो उनका कुल मेडिकल कवर 10 लाख रुपये हो जाएगा। यह गिफ्ट मात्र 6,000 से 10,000 रुपये के बीच में मिल सकता है। इससे उनकी स्वास्थ्य संबंधी चिंता खत्म होगी।

4. सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम
अगर आपकी मां की उम्र 60 साल से ज्यादा है, तो आप उनके नाम से सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) में खाता खुलवाकर उन्हें एक शानदार तोहफा दे सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज मिल रहा है। यह योजना न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि नियमित आय का भी जरिया बन सकती है।

5. सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी)
अगर आप मां को इस बार सोना गिफ्ट करना चाहते हैं, तो फिजिकल गोल्ड की जगह सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करें। इसमें सोने की कीमत के साथ ब्याज भी मिलता है। यह निवेश न सिर्फ सुरक्षित है, बल्कि लंबे समय में अच्छा रिटर्न भी देता है।

घर की रजिस्ट्री में पत्नी का भी नाम डालें, 3 लाख तक की बचत होगी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रियल एस्टेट में निवेश कर टैक्स बचाना चाहते हैं तो आप मकान की रजिस्ट्री में पत्नी का नाम भी डालें। इससे आप तीन लाख रुपये तक का टैक्स बचा सकते हैं। अक्सर कहा भी जाता है कि रियल एस्टेट निवेश के सबसे अच्छे विकल्पों में से एक है। बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के चलते हाउसिंग सेक्टर कुछ साल से अच्छी ग्रोथ भी देख रहा है। इस सेक्टर में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 2016 में रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) स्थापित की थी। इसका उद्देश्य रियल एस्टेट में पारदर्शिता लाना, जवाबदेही तय करना, दक्षता बढ़ाना और घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। इससे निवेशकों के बीच रियल एस्टेट को लेकर भरोसा बढ़ा है। इस सेक्टर में निवेश करके आप खुद के घर का सपना भी पूरा कर सकते हैं। इसके साथ ही न सिर्फ अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं, बल्कि आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत टैक्स बेनिफिट्स भी ले सकते है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ तरीके, जिससे आप निवेश के साथ टैक्स भी बचा पाएंगे और अपने घर के साथ -साथ अच्छा मुनाफा व बचत भी कर पाएंगे। ये टिप्स आपके लिए बेहद जरूरी हो सकते हैं।

स्टाम्प ड्यूटी की छूट
घर की कीमत पर स्टाम्प ड्यूटी लगती है। धारा 80सी के तहत इस पर आप 1.50 लाख रुपये तक छूट ले सकते हैं। यदि ड्यूटी इससे ज्यादा हो, तो दो या ज्यादा लोगों के नाम पर रजिस्ट्री कराने पर सभी को समान छूट मिलेगी। यानी पत्नी के साथ मिलकर इस छूट को 3 लाख रुपये तक पहुंचा सकते हैं। इसलिए मकान खरीदने के दौरान रजिस्ट्री में आप अपनी पत्नी का नाम जोड़ सकते हैं।

ब्याज पर कटौती
यदि आप मकान खरीदने के लिए लोन लेते हैं तो ऐसी स्थिति में चुकाए गए ब्याज पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 24 के तहत कुल आय में 2 लाख रुपये तक कटौती का लाभ ले सकते हैं। मूलधन पर भी धारा 80सी के तहत 1.50 लाख तक छूट पा सकते हैं।

एक घर बेचा, दूसरा मकान खरीदने पर छूट
यदि आप एक रेसीडेंशियल प्रॉपर्टी बेचकर दूसरा मकान खरीदना चाहते हैं, तो धारा 54 आपकी मदद करेगी। इसके तहत पुरानी प्रॉपर्टी बेचने से जितना भी प्रॉफिट हुआ, यदि उस पूरी रकम से आप कोई नई प्रॉपर्टी खरीदते हैं तो पुरानी प्रॉपर्टी से हुए मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। शर्त ये होगी कि बेची और खरीदी गई, दोनों प्रॉपर्टी रेसिडेंशियल ही हों। यदि आप जमीन जैसी कोई अन्य प्रॉपर्टी बेचकर तैयार मकान खरीदना चाहते हैं, तो ऐसी स्थिति में भी आयकर कानून की धारा 54एफ के तहत छूट मिलेगी। लेकिन यह कटौती समान कानून की धारा 54 के तहत मिली छूट से कम होगी।

प्रॉपर्टी न्यूनतम 24 माह होल्ड करना अच्छा
यदि आप खरीदी हुई प्रॉपर्टी को न्यूनतम 24 महीने अपने पास रखने के बाद बेचते हैं तो आपको 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स चुकाना होगा। यदि इससे पहले प्रॉपर्टी बेचते हैं तो आपको नॉर्मल स्लैब रेट से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स देना पड़ेगा।

एसआईपी निवेश ने बनाया रिकॉर्ड, लेकिन इक्विटी फंड में घटा

प्लान | बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड एयूएम 70 लाख करोड़ के ऑल टाइम हाई पर

अप्रैल 2025 में भले ही शेयर बाजार में तेजी आई। एसआईपी निवेश ने रिकॉर्ड बनाया, लेकिन इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेशक सतर्क रहे। इसी के चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अप्रैल में 3.24 फीसदी घटकर 24,269 करोड़ रुपये रहा है। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की के चलते बाजार में जारी अस्थिरता के बीच यह गिरावट आई है। हालांकि अप्रैल महीने में एसआईपी के जरिए निवेश ने रिकॉर्ड बनाया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार एसआईपी योगदान अप्रैल में 2.7% बढ़कर 26,632 करोड़ रुपये रहा, जो कि मार्च में 25,926 करोड़ रुपये था। ग्रॉस इनफ्लो अप्रैल में नई ऊंचाई पर पहुंच गया और दिसंबर 2024 के 26,459 करोड़ रुपये के आंकड़े के पार निकल गया। इक्विटी फंड में लगातार चौथे महीने निवेश में गिरावट दर्ज की गई, लेकिन यह लगातार 50वां महीना रहा, जब म्यूचुअल फंड योजनाओं में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़

डेट फंड में 2.19 लाख करोड़ का निवेश
डेट फंड में भी अप्रैल महीने में 2.19 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 2.02 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अप्रैल में 2.77 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि मार्च में 1.64 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। इस निवेश से इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट अप्रैल में बढ़कर रिकॉर्ड 70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो मार्च के अंत में 65.74 लाख करोड़ रुपये था।

इक्विटी फंड में क्यों घटा निवेश
इक्विटी एमएफ में अप्रैल में 24,269 निवेश हुआ जो मार्च के 25,082 करोड़ रुपये, फरवरी के 29,303 करोड़ रुपये, जनवरी के 39,688 करोड़ रुपये और दिसंबर के 41,156 करोड़ रुपये से कम है। हालांकि यह मार्च के 25,082 करोड़ रुपये की तुलना में 3.24 फीसदी की मामूली गिरावट दर्शाता है, लेकिन फ्लो का वॉल्यूम महत्वपूर्ण बना हुआ है। खासकर चुनौतीपूर्ण ग्लोबल माहौल व 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते जियो-पॉलिटिकल टेंशन के बीच।

इक्विटी फंड : किस श्रेणी में कितना निवेश
इक्विटी फंड कैटेगरीज में, फ्लेक्सी कैप फंड में अप्रैल में सबसे अधिक 5,542 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. हालांकि, इक्विटी से जुड़ी बचत योजनाओं से 372 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई. अप्रैल में मिड-कैप और स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंडों में निवेशकों की दिलचस्पी बनी रही, जिसमें 3,314 करोड़ रुपये और 4,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ. मार्च में 2,479 करोड़ रुपये की तुलना में लार्ज-कैप फंड को 2,671 करोड़ रुपये मिले।

इसे ऐसे समझें
- **लार्जकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,479.31 करोड़ से बढ़कर 2,671.46 करोड़ रुपये
- **मिडकैप फंड्स :** इनफ्लो 3,438.87 करोड़ से घटकर 3,313.98 करोड़ रुपये
- **स्मॉलकैप फंड्स :** इनफ्लो 4,092.12 करोड़ से घटकर 3,999.95 करोड़ रुपये
- **फ्लेक्सी कैप फंड्स :** इनफ्लो 5,615 करोड़ से घटकर 5,542 करोड़ रुपये
- **मल्टीकैप फंड्स :** इनफ्लो 2,752.98 करोड़ से घटकर 2,551.71 करोड़ रुपये

क्या है इक्विटी फंड
इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

इक्विटी फंड की मुख्य विशेषताएं
1. **इक्विटी शेयरों में निवेश:** इक्विटी फंड इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **लंबी अवधि का निवेश:** इक्विटी फंड लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं।
3. **जोखिम:** इक्विटी फंड में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

इक्विटी फंड के कुछ मुख्य फायदे
1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

14 नए संदिग्धों के नाम सामने आए, जल्द होगी पूछताछ

रायपुर। भारतमाला परियोजना में भू-अर्जन करने के नाम पर 48 करोड़ रुपए घोटाला किए जाने के आरोप में ईओडब्लू, एसीबी की टीम ने जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, उनसे पूछताछ में घोटाला से जुड़े 14 और नए संदिग्धों के नाम मिले हैं। इनमें जमीन दलाल से लेकर राजस्व विभाग के कर्मचारी अफसर शामिल हैं। इसके अलावा जगदलपुर से लेकर गरियबंद तक इस प्रोजेक्ट में भू-अर्जन करने के नाम पर घोटाला होने की जानकारी ईओडब्लू, एसीबी के अफसरों को मिली है। सूत्रों के मुताबिक जगदलपुर से लेकर गरियाबंद के बीच भू-अर्जन के नाम पर किए गए घोटाले की जांच करने जगदलपुर ईओडब्लू तथा एसीबी की टीम को इनपुट जुटाकर जानकारी ईओडब्लू, एसीबी मुख्यालय भेजे जाने निर्देश दिए गए हैं। घोटाले में जिन 14 संदिग्धों के नाम सामने आए हैं, ईओडब्लू, एसीबी के अफसर उन्हें नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब कर सकते हैं। जिन नए संदिग्धों के घोटाला में शामिल होने के नाम आए हैं, उनमें से ज्यादातर जगदलपुर, गरियाबंद तथा धमतरी जिले के हैं।

घोटाले की रकम और बढ़ सकती है

भारतमाला परियोजना के लिए भू-अर्जन के नाम पर घोटाले की रकम 48 करोड़ रुपए है। ऐसे में गरियाबंद, जगदलपुर सहित धमतरी में भारतमाला परियोजना के नाम पर भू-अर्जन के नाम पर घोटाला किया गया होगा, तो घोटाले की रकम कई गुना और बढ़ सकती है। ऐसे में जांच का दायरा और बढ़ जाएगा।

एक ही पैटर्न की आशंका

भारतमाला परियोजना के लिए किन इलाकों का भू-अर्जन किया जाना है, इसकी जानकारी लीक होने के बाद जमीन दलाल के साथ जमीन कारोबारी सक्रिय हो गए। इसके बाद जमीन दलाल और जमीन कारोबारियों ने राजस्व विभाग के अफसर, पटवारी, आरआई से साठगांठ कर किसानों से कम दर पर जमीन खरीदी और उसे टुकड़ों में बांटकर मोटी कमाई की। रायपुर के बाद जिन और नई जगहों पर भू-अर्जन के नाम पर घोटाले की बात सामने आ रही है, वहां भी रायपुर पैटर्न में गड़बड़ी किए जाने की आशंका है।

सीआरपीएफ कैंप में सिपाही ने साथी पर चाकू से जानलेवा हमला

रायपुर। ओल्ड पीएचक्यू परिसर में बने सीआरपीएफ कैंप में शनिवार को एक जवान ने अपने साथी हवलदार की आंख, छाती, भुजा में चाकू तथा कैंची से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मौके पर उपस्थित अन्य जवानों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सिविल लाइंस थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना दिनांक को दोपहर सोहनलाल देवांगन पर कपूर प्रमोद ने चाकू तथा कैंची से हमला किया। सोहनलाल ने पुलिस को बताया कि वह अपने बैरक में खाना खाने के बाद लेटकर अपने घरवालों से बात कर रहा था।

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

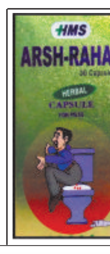

आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

Education INSTITUTIONS

कोटा स्टडी सर्कल®
भिलाई / रायपुर
सुभाशिनी साहू
548/720

NEET, IIT-JEE
PET/PAT
विशेषताएं
कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के प्रथक प्रथक बैचस
गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग होस्टल
रायपुर कोटा सेंटर
भाटिया कॉम्पलेक्स, नियर राजकुमार कॉलेज के सामने जीई रोड रायपुर
9301547784
भिलाई कोटा सेंटर
बिल्डिंग नं. 150
न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
9098534927

आवश्यकता है

आवश्यकता है- दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वॉय चाहिए योग्यता 12वीं, वेतन 9000-10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड बिलासपुर (37708)

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित कंपनी में कर्मचारियों की जो (1) टेली में अकाउंट का काम जानता हो-2 (2) कार्मिक विभाग का काम जानता हो-3 (3) स्टोर विभाग का काम जानता हो-4 सैलरी योग्यता अनुसार 5अंको में देय होगी कृपया सम्पर्क करें- 087190 04900 (37713)

आवश्यकता है- ईंट जोड़ाई, प्लास्टर कार्य एवं बिल्डिंग मटेरियल को बिल्डिंग ऊपर चढ़ाने हेतु लेबर, मिस्त्री, ठेकेदार, एक सुपरवाइजर चाहिए। सम्पर्क करें- उसलापुर मार्केट के सामने, गोकने नाला के पास 9098546135, 7000 737657 (37703)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु मेहनती लड़कों, टेलीकालर, अकाउंटेंट, ईरिक्शा चालक चाहिए (इंटरव्यू सुबह 10बजे से 2बजे तक) जिसको काम की जरूरत हो वही कॉल करें- अग्रसेन चौक बिलासपुर 78058 84040, 6232672839 (37647)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, कम्प्यूटर ऑपरेटर, कामवाली बाई चाहिए वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291, 80852 33213, 8518099289, 7417526041 (37705)

आवश्यकता है- सलाह सर्विसेस ऑफिस में कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेली कालिंग, फील्ड कार्य हेतु स्टाफ की। वेतन- 6000 से 15000 पता- सेकेंड फ्लोर, लैण्डमार्क कम्प्लेक्स, करबला रोड, पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 62690 20001, 6269020002 (37698)

आवश्यकता है- घर के देखरेख हेतु गार्ड चाहिए।पुरूष, महिला या छोटी फैमिली, वही रहकर कार्य करना है रहने की सुविधा दी जाएगी। पहचान पत्र के साथ सम्पर्क करें- नेहरू नगर बिलासपुर 9753301111 (37704)

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु कुशल मिस्त्री एवं रोटी बनाने तथा बर्तन धोने के लिए बाई की तत्काल आवश्यकता है सम्पर्क करें- फुड जोन ईदगाह रोड बिलासपुर 9039791624 (37693)

आवश्यकता है- रूम सर्विस करने के लिए एक लड़का एवं साफ सफाई करने के लिए दो लड़के की आवश्यकता है रहने खाने की पूरी सुविधा दी जाएगी सम्पर्क करें- 8988888542, 8839169907 (37707)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप हेतु आवश्यकता है सदर बाजार, मेन रोड बिलासपुर कमला सतीश्री ज्वैलर्स हनुमान मन्दिर के बगल बर्तन लाइन (1) मैनेजर- 1पद (MBA को प्राथमिकता) (2) बिलिंग कार्य- 2पद (3) सेल्स हेतु- सेल्समेन/ सेल्सगर्ल- 4पद वेतन योग्यतानुसार अनुभवी सम्पर्क करें- 9827174256, 9907901110 (कॉल करके आयें) (37706)

आवश्यकता है- घर में बच्चे की देखभाल हेतु एक महिला, ऑफिस में कार्य हेतु एक सुपरवाईजर एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड, बिलासपुर 9827959907 (37709)

आवश्यकता है- साफ सफाई के कार्य हेतु युवक-युवतियों की आवश्यकता है। संपर्क करें - पल्लव भवन रिंग रोड-2 बिलासपुर (37695)

आवश्यकता है- फिरोजाबाद बैंगल स्टोर चूड़ी एवं मनिहारी दुकान में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। समय सुबह 9.30 से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- तेलीपारा बिलासपुर 9425538825 (37697)

आवश्यकता है- स्पोर्ट्स शोरूम में काम करने हेतु लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री लक्ष्मी स्पोर्ट्स गोंड़पारा बिलासपुर (37689)

आवश्यकता है- Udyog Bazaar E-Commerce को Branch Manager, Service, Manager, UBC Counselor, Development Officer, Field Officer, Packaging Staff, Computer Operator, Social Media Operator, Web Developer, Video Editor, Service Incharge, Tele Caller, Offce Boy की आवश्यकता है वेतन 10000 से 35000 Contact- A/216 Narayan Plaza, Bilaspur 6269222001 (37700)

आवश्यकता हैं
आया बाई
(हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउंटर स्टाफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करें:- सुबह 11 से 01 बजे तक
07752-226296, 402543

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान मे काम के लिये लड़को की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7999934599 (37696)

आवश्यकता है- (1) माजदा ड्राइवर-2 (2) ऑफिस में काम करने हेतु लेबर-4 (3) पिकअप ड्राइवर-2 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सिरगिटी रोड बबल आइलैंड के सामने प्रतीक आटो मोबाइल बिलासपुर 8827773222, 9425530065 (37694)

आवश्यकता है-(1) कंस्ट्रक्शन ऑफिस में कार्य हेतु साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर (2) रियल एस्टेट टेलीकालिंग, सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (37450)

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित सीए फर्म में 12वीं पास अनुभवी प्यून की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- रियल बिजनेस आर्केड, थर्ड फ्लोर ऑफिस मंगला चौक बिलासपुर 9727167025, 9340740457 (37684)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन एवं लड़को की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार 8000 से 15000 सम्पर्क करें- टायर सेन्टर विनायक नेत्रालय के बाजू में अग्रसेन चौक, बिलासपुर (37676)

आवश्यकता है-मंथली बेसिस में गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर, ऑफिस कार्य हेतु लड़के, लड़कियां एवं च्वाइस सेन्टर के अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9300672005 80947 30100 (37570)

आवश्यकता है- OMI कम्पनी में लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28वर्ष, आय 8500 से 18000+ रहना खाना सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, बिलासपुर 8818877406, 9644433021 (37669)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान में मल्टीमीडिया मार्केटिंग सेल्स कार्य हेतु दो युवकों की आवश्यकता है योग्यता ग्रेजुएट वेतन 15000 से 25000 सम्पर्क करें- हरमन सेल्स, पंजाबी कालोनी दयालबंद बिलासपुर 70003 22243 (37675)

आवश्यकता है-प्लाईवुड शोरूम में फील्ड सेल्स कार्य हेतु मार्केटिंग पर्सन-2 शिक्षित, अनुभवी लड़के चाहिए वेतन 10000 से 40000+ बोनस+ कमीशन +पेट्रोल, बाइक अनिवार्य, रिज्यूम 9608777772 पर Whats App करें, अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- SS Plywood महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9589687772 (37454)

आवश्यकता है- महिला कम्प्यूटर, टैली एकाउंट, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग, पीए, महिला आफिस वर्क, पुरुष-मेडिकल मशीन/ऑर्थोपेडिक समान मार्केटिंग, सर्विस, 14000- 25000, पता- भारत मेडिकल सिस्टम MIG-70, नेहरू नगर, बिलासपुर 93266 09234 (37678)

आवश्यकता है- स्टेशनरी, बैग, आफिस सामान की थोक बिक्री हेतू अनुभवी मेहनती सेल्स स्टाफ लड़के/ लड़कियां चाहिए वेतन+ इंसेंटिव योग्यतानुसार। इंटरव्यू हेतु आधार सहित मिले- राधेश्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर (37679)

आवश्यकता है- फुटवियर शॉप में कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर, सेल्समेन सेल्सगर्ल सेल्समैनशिप, एकाउन्ट हेतु चाहिए बॉयोडाटा सहित सम्पर्क करें- चरण स्पर्श शू मॉल रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने बिलासपुर 93003 00333, 07752407333 (37680)

आवश्यकता है-UTN Shop में मार्केटिंग कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 10000 से 150000 सम्पर्क करें- शॉप नं.-16 फर्स्ट फ्लोर सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 79995 94790, 07752491771 (37643)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में काम करने के लिए लड़के एवं लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शर्लिन ज्वेलर्स सदर बाजार, बिलासपुर 982715 0538, 9165345678 (37686)

आवश्यकता है- जिम में रिसेप्शन, ट्रेनर कार्य करने के लिए लड़की स्टाफ आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता पता- रेजिस्टेन्स जिम, मंगला चौक, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9691432828, 9109277444 (37666)

आवश्यकता है- पेन्ट दुकान में कार्य करने हेतु लड़के की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता, फ्रेशर की भी आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार ड्राईवर भी आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8319429937 (37688)

आवश्यकता है- लॉज में काम करने हेतु जरूरतमंद कर्मचारी लड़को की आवश्यकता है वेतन 10000 ग्रामीणों को रहना खाना निःशुल्क सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898 (37657)

आवश्यकता है-रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8, 10 पास हाईट 5'-6" इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 सम्पर्क करें-81090 70600 (7086)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल होलसेल दुकान में मार्केटिंग (फिल्ड वर्क) करने वाले लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री देवेश इन्टरप्राइजेस, पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 8770965033, 9827187037 (37672)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 8000, सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 8109900011 (37673)

आवश्यकता है- बजाज ऑटो फाइनेन्स लिमिटेड कैश कलेक्शन ईएमआई (फील्ड वर्क) हेतु लड़कों एवं टेली कॉलिंग (ऑफिस वर्क) हेतु लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7999970000, 9827998279 (37681)

आवश्यकता है- घरेलु कार्य करने हेतु युवक की आवश्यकता है रहने खाने की व्यवस्था है संपर्क करें समय सुबह 11 से 2 शाम 5 से 9 गगन फ्लैक्स 27 खोली चौक बिलासपुर 9827168650 (37664)

आवश्यकता है- सोनोग्राफी सेंटर हेतु टाइपिस्ट एवं ऑफिस ब्वॉय चाहिए पता श्री गोपाल साहू डायग्नोस्टिक सेंटर डॉ दीपक मेघानी हॉस्पिटल के बाजू में जूनी लाईन बिलासपुर संपर्क करें 9770128995, 9755230012 (37665)

आवश्यकता है- मैट्रिमोनी में कार्य हेतु। वेतन 10000+ कमीशन, समय सुबह 10 से शाम 5:30 बजे तक, उम्र 18 से 40, पता- मैग्नेटो मॉल बुलेट शोरूम के पास गन शॉप बिलासपुर 9301357964 (37667)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं से स्नातकोत्तर, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय- साकरा चौक सिलतरा रायपुर, सिटी ऑफिस- 434 चतुर्थ तल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर (छ.ग.) 7746000016, 77470 00019, 77470 00016, 7746000019 (074)

आवश्यकता है- सब्जी मण्डी में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है (काम का समय सुबह 6बजे से) योग्यता 10वीं/ 12वीं, सम्पर्क करें- 9617118009 (सम्पर्क समय शाम 5 से 7बजे तक) (37690)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 30वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000 से 20000 कमाने का अवसर, सम्पर्क करें- तिरंगा चौक साईं मंदिर के पास बिलासपुर 8962819734, 9691610438 (7341)

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग हेतु 18 से 35वर्ष की लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है। वेतन 5000 से 20000 सम्पर्क करें- मंदिर चौक प्रोटीन वर्ल्ड के पास बिलासपुर 74703 28986 (7342)

आवश्यकता है- शहर से बाहर रहकर ऑफिस कार्य करने हेतु 18 से 25वर्ष के लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 7000+ रहना खाना फ्री, कमीशन+ बोनस एक्स्ट्रा, सम्पर्क करें- मंदिर चौक बिलासपुर 6266328817 (7343)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 50 उंचाई 5'-5" योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री खाने की सुविधा दस्तावेज आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंक सूची बैंक पास बुक 8 पासपोर्ट फोटो सम्पर्क करें- शाप नं-8 प्रथम तल कमला सुपर बाजार तेलघानी चौक, रायपुर (छ.ग.) 077140 36689, 97703 04037, 8120957510 (046)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों व महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 28 वर्ष तक वेतन योग्यतानुसार संपर्क करें- मंदिर चौक बिलासपुर 70003 22273 (7348)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 30 साल तक सम्पर्क करें- ऑफिस टाइम 10 से 5:30 नूतन चौक अथर्व हॉस्पिटल के पास बिलासपुर 9201508721 (7336)

आवश्यकता है- कार ड्राइवर की उम्र, 18-28 ड्यूटी टाइम 10:30 से 8:30 बजे तक वेतन 15000/-देवपुरी रायपुर संपर्कः- 9302708426, 8448107841 (662)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8935818259 (861)

आवश्यकता है- छत्तीसगढ के सभी जिला व. ग्रामीण क्षेत्र से अनुभवी व फ्रेसर Candidate की 8वीं से12 वी पास ग्राउन्ड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्रायवर, सुपरवाइजर, वेतन-18500/- से 55000/- रहना+खाना फ्री 08588 080514 (862)

बेचना है

बेचना है- लगरा में RTO आफिस के पास मेन रोड पर 13700 वर्गफीट का कमर्शियल प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 6267186441, 97552 21821, 8224985058 (37653)

बेचना है-तखतपुर मेन रोड पर पुराना बस स्टैण्ड पर स्थित 20×70 वर्गफीट में बना सर्व सुविधा युक्त मकान एवं टिकरीपारा तखतपुर में 82 डिसमिल जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 79990 75751 (37645)

बेचना है- उसलापुर रेलवे स्टेशन से 200 मीटर दूर सहकारी शिक्षा गृह निर्माण कॉलोनी 40×60= 2400 वर्गफीट डबल रोड उत्तर पूर्व मुखी प्लाट 35 फीट सीसी रोड, डायवर्सन, लेआउट। सम्पर्क 9993770950 (37692)

बेचना है- विद्या नगर जैन हॉस्टल के पास 15×75 का पुराना मकान, तखत- 2, आलमारी (लकड़ी की) बेचना है सम्पर्क करें- बिलासपुर 9826956859 (37683)

बेचना है- आशाबन, बिरकोना रोड, तृप्ति नगर कॉलोनी अशोक नगर मेन रोड से दो प्लॉट अन्दर 25 फीट चौड़ी सड़क में प्लॉट 50×60 ख.नं- 554/38 एवं मोपका में तिरंगा चौक से 300 मीटर दूर, मेन रोड से एक प्लॉट बाद स्थित प्लाट ख.नं- 1053/358 प्लाट साइज 80×60 बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 8770087288 (37691)

बेचना है- अजीत अपार्टमेन्ट फेस-2, यश पैलेस करबला में फर्स्ट फ्लोर पर फ्लैट बेचना है। तत्काल सम्पर्क करें- 9424142680, 97700 34948, 8602906819 (37710)

बेचना है-ब्रिलियंट स्कूल के पास बहतराई बिलासपुर में सीसी रोड, नाली, बिजली, डायवर्सन कॉलोनी में प्लॉट एवं मकान उपलब्ध हैं रेल्वे स्टेशन अपोलो हॉस्पिटल SECL मुख्यालय से मात्र 5 मिनट की दूरी सम्पर्क करें- 8319251951, 78282 25044 (054)

बेचना है- आर्या कॉलोनी तिफरा स्थित 3 मंजिला 4BHK स्वतंत्र मकान स्वयं का बोर सहित सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है (व्हाट्स पर वीडियो फोटो उपलब्ध) सम्पर्क करें- 9479170222, 9329407603 (37711)

बेचना है- रायपुर से 75 किमी, रायपुर- बिलासपुर हाइवे से 7 किमी अंदर, डामररोड के ऊपर, पूरा फ्रंट, 2लेन प्रस्तावित, वेल फर्निश्ड, 20 एकड़ का फॉर्म हाउस एक मुश्त या टुकड़ों में बेचना है- 9399484913 (4967)

बेचना है-हर्ष-फिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड-49, बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 3BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफॉर्डेबल फ्लैट, T&C रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (36177)

बेचना है- लगरा में RTO ऑफिस के आगे मेनरोड से 200 मीटर की दूरी पर 12000/- वर्गफीट प्लाट बेचना है संपर्क करें 7828539364, 6267186441 (37663)

बेचना है- मंगला लोखण्डी मुख्य मार्ग पर कमर्शियल 850/- वर्गफीट एवं आवासीय डाइवर्टेड प्लाट मात्र 7 लाख एवं मकान 22लाख से प्रारंभ (बुकिंग कराने पर) बैंक द्वारा फाइनेन्स सम्पर्क करें 97136 66001 (37654)

बेचना है- रतनपुर केरा तालाब से लगा हुआ पूर्व मुखी 20 फीट रोड 44×55= 2420 वर्ग फीट प्लाट अतिशीघ्र बेचना है खरीददार ही सम्पर्क करें- 9407912771, 8827288033 (37699)

बेचना है- मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कैंसर हॉस्पिटल एवं नये बनने जा रहे सिम्स हॉस्पिटल कोनी से आसान कनेक्टिविटी अशोक नगर मेन रोड ऊपर 50 फिट फ्रंट में 8250 वर्गफिट का डायवर्टेड कमर्शियल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 8305090000 (7340)

वाहन बेचना है

वाहन बेचना है- अल्फा थ्री व्हीलर माल वाहक ऑटो बेचना है। सम्पर्क करें- सोनथलिया एजेन्सीज व्यापार विहार बिलासपुर 07752 405725 (37685)

किराया

किराया- अयोध्या नगर रिंग रोड नं.-2 गौरव पथ में सर्व सुविधा युक्त 2BHK (2 बेडरूम, हाल, किचन) एवं 24घंटे पानी की सुविधा मकान किराये से देना है सम्पर्क करें- 9993328782, 9827160212 (37712)

किराया - क्रॉस रोड बिजनेस पार्क,4th फ्लोर व्यापर विहार बिलासपुर में रोड फेसिंग 326 व 650 वर्गफुट की शॉप किराए हेतु उपलब्ध। ऑफिस, कोचिंग, बैंक, रेस्टोरेंट हेतु उपयुक्त। संपर्क : 99937 38938 (37670)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ-प्रवेश प्रारंभ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करे B.Ed, B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic, B.Tech, (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क- Bharti Education Academy, Sector-6, Bhilai 98261 96515, 9826896515 (7179)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- रंग गोरा स्मार्ट 36 वर्षीय, हाईट 5 फुट 6 इंच व्यावसायिक लड़का (अनाथ एवं विकलांग) के लिए वधु चाहिए तलाकशुदा भी स्वीकार्य है। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- 8435278895 (7330)

Medicare Specialists
गुप्त रोगो का सफल ईलाज

गुप्त रोग, नामर्दी
लिंग में छोटापन।
शीघ्र पतन
पेशाब से धातू जाना।
लिंग में ढीलापन,
शुक्राणु की कमी।
शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पत्ति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82/ 6',
एमबीबीएस, अविवाहित,
डॉ. प्राइवेट क्लीनिक हेतु
शिक्षित हायर सेकेण्डरी,
ग्रेजुएट, अविवाहित
सजातीय हिन्दू जाति बंधन
नहीं, वधु चाहिए। मैरिज
ब्यूरो क्षमा। साधारण विवाह।
9131453175

वधु चाहिए- पंजाबी 30 वर्षीय युवक 5 फुट 8 इंच (B.Sc.Ag.) Sales Officer एवं व्यवसायी परिवार के इकलौते बेटे हेतु वधु चाहिए। दहेज बंधन नहीं। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7509396155 (7331)

वधु चाहिए- (मुस्लिम) वधू चाहिए जाति मुस्लिम कुंवारा उम्र 54/हाइट 5'9'', रंग गेहुआ, शिक्षा BA तलाकशुदा, विधवा, कुंवारी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं है मो. 94252-53078 (1572)

मैरिज ब्यूरों

मैरिज ब्यूरो
योग्य महाराष्ट्रीयन वर वधु की तलाश हेतु श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई- दुर्ग द्वारा संचालित शोध वधू-वरांचा मैरिज ब्यूरो में अपना नाम रजिस्टर करने संपर्क करें
9131455917

वर चाहिए

GROOM WANTED
29Yr Muslim Doctor (Pursuing Post Graduation) from a respected family, Seeks alliance with a Well educated Muslim P.G. Doctor (any Specialization) Professionally Well settled from a deeny good family background
8435639998

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका...
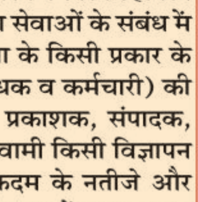
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

त्रिकोणीय श्रृंखला : फाइनल में भारतीय महिला टीम के सामने आज श्रीलंका की चुनौती

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारतीय महिला टीम रविवार को यहां होने वाले त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ हर विभाग में दमदार प्रदर्शन कर चैंपियन बनने की कोशिश करेगी। इस श्रृंखला में भारत को एकमात्र हार श्रीलंका के खिलाफ मिली है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में हालांकि टीम ने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया और लीग चरण में चार मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर रही।

श्रीलंका दो जीत के साथ दूसरे स्थान पर रहा जबकि दक्षिण अफ्रीका ने अपना अभियान चार मैचों में एक सफलता के साथ तीसरे और आखिरी पायदान पर खत्म किया। इस मुकाबले को जीतना भारत और श्रीलंका दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इससे इस साल के अंत में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों में मदद मिलेगी।

फार्म में भारतीय बल्लेबाज

टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन सराहनीय रहा है जिसमें जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक शतक (123) सहित 67 की औसत से अब तक 201 रन बनाए हैं। प्रतिका रावल (164), स्मृति मंधाना (148) और दीप्ति शर्मा (126) ने भी बल्ले से प्रभावी योगदान दिए हैं। दीप्ति की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 93 रन की पारी ने भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद की और यह भी जता दिया कि जरूरत पड़ने पर टीम का निचला क्रम भी बल्ले से प्रभावी योगदान दे सकता है।

कप्तान ने खेली छोटी पारियां

कप्तान हरमनप्रीत कौर फाइनल में बड़ा स्कोर खड़ा कर श्रृंखला में बल्ले से अबतक की निराशा को पीछे छोड़ना चाहेगी। हरमनप्रीत ने अब तक नाबाद 41, 30 और 28 रन की उपयोगी पारियां खेली है लेकिन अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रही है। स्नेह राणा भारत की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित हुई है। दाएं हाथ की इस स्पिनर ने अब तक 11 विकेट चटकाए है जिसमें से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पारी में पांच विकेट लेना भी शामिल है।

श्रीलंका को हर्षिता और चमारी से बड़ी पारी की उम्मीद

श्रीलंका की टीम एक बार फिर से हर्षिता समरविक्रमा से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। उन्होंने लीग चरण में 53 रन की पारी खेल भारत के खिलाफ टीम को जीत दिलाई थी। इस 26 साल की वामहस्त बल्लेबाज ने अब तक दो अर्धशतक की मदद से 177 रन बनाए है। श्रीलंका की कप्तान चमारी अट्टापट्टू ने अपनी ख्याति के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उन्होंने 88 रन बनाने के साथ पांच विकेट लिए थे। वह फाइनल में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ भारत की मुश्किलें बढ़ना चाहेंगी। श्रीलंकाई गेंदबाजों में देवमी विहंगा (नौ विकेट) का सबसे ज्यादा प्रभावित किया है।

संभावित टीमें

भारत : प्रतिका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, दीप्ति शर्मा, काशवी गौतम, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, नल्लापुरेड्डी चरणानी, यास्तिका भाटिया, अमनजोत कौर, तेजल हसबनिस, शुचि उपाध्याय।

श्रीलंका: चमारी अट्टापट्टू (कप्तान), कविशा दिलहारी, इनोशी प्रियदर्शनी, विशमी गुणरत्ने, हंसिमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, मल्की मदारा, हर्षिता समाराविक्रमा, मनुडी नानायककारा, हासिनी परेरा, पिउमी वाथसाला, इनोका राणावीरा, अनुष्का संजीवनी, रश्मिका सेववंडी, नीलाक्षिका सिल्वा, देवमी विहंगा।

तीरंदाजी विश्व कप : कम्पाउंड वर्ग में भारतीय दल ने रचा इतिहास

मधुरा वर्ल्ड चैंपियन, जीते स्वर्ण-रजत और कांस्य, भारत ने जीते पांच पदक

एजेंसी ▶▶| शंघाई

मधुरा धामनगांवकर ने राष्ट्रीय टीम में तीन साल के बाद शानदार वापसी करते हुए शनिवार को तीरंदाजी विश्व कप चरण दो के कम्पाउंड वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण के साथ टीम स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक जीतकर भारत को बड़ी कामयाबी दिलाई। भारत ने शनिवार कम्पाउंड वर्ग में दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते।

मधुरा को तीन साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा नहीं करने के कारण विश्व तीरंदाजी रैंकिंग में जगह नहीं मिली है। इस 24 साल की खिलाड़ी ने अमेरिका की कार्सन क्रेहे पर 139-138 की शानदार जीत के साथ अपना पहला व्यक्तिगत विश्व कप स्वर्ण पदक जीता। महाराष्ट्र की अमरावती की इस खिलाड़ी ने इससे पहले महिला टीम स्पर्धा में रजत और अभिषेक वर्मा के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

खास रहा व्यक्तिगत स्वर्ण

मधुरा के लिए लिए हालांकि व्यक्तिगत स्वर्ण सबसे खास रहा क्योंकि उन्होंने उतार-चढ़ाव से भरे खिताबी मुकाबले में धैर्य बनाए रखा। वह तीसरे गेम में सात अंक के निशाने के बाद 81-85 से पीछे चल रही थीं। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि दबाव में शानदार संयम दिखाया और चौथे गेम में सिर्फ एक अंक गवां कर स्कोर 110-110 पर बराबर कर लिया। मधुरा ने निर्णायक गेम में दो 10 के निशाने लगाए और ये दोनों केंद्र के बिलकुल करीब थे। उन्होंने तीसरे प्रयास में नौ के निशाने के साथ क्रेहे को पछाड़ दिया।

शानदार शुरुआत

मधुरा क्वालीफायर्स में तीसरे स्थान के साथ भारतीयों में शीर्ष पर थी। उन्होंने अपने अभियान के दौरान तुर्की की विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी हेजल बुरुन को शिकस्त दी। मधुरा ने दो बार की विश्व कप टीम पदक विजेता को 143-141 से मात दी थी। मधुरा ने इससे पहले मेडेलिन में 2022 तीरंदाजी विश्व कप चरण चार में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

महिला तिकड़ी की चांदी

ज्योति सुरेखा वेन्नम, मधुरा और चिकिथा तानिपार्थी की टीम महिलाओं के कम्पाउंड फाइनल में मैक्सिको की मजबूत चुनौती से पार पाने में नाकाम रही और मुकाबला 221-234 से गंवा बैठी। फाइनल मुकाबले में भारतीय तीरंदाज मैक्सिको को कड़ी टक्कर देने में नाकाम रहे लेकिन इस तिकड़ी ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा से प्रभावित कर पोडियम पर स्थान सुनिश्चित किया। वर्मा और मधुरा की भारतीय मिश्रित टीम ने तीसरे स्थान के प्लेऑफ में मलेशिया को हराकर कांस्य पदक जीतने के साथ पदक तालिका में भारत की स्थिति मजबूत की।

पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण

इससे पहले कम्पाउंड पुरुष टीम ने स्वर्ण जीता। अभिषेक वर्मा, ओजस देवताले और ऋषभ यादव की पुरुष टीम ने फाइनल में मैक्सिको को 232-228 से हराया। भारतीय तिकड़ी ने धैर्य के साथ दबाव वाली परिस्थितियों में अचूक निशाना साध कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

ऋषभ ने कांस्य पर साधा निशाना

ऋषभ ने पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक के रोमांचक मुकाबले में दक्षिण कोरिया के किम जोंगहो को हराया। भारतीय खिलाड़ी का शूटआउट में 10 अंक वाला निशाना केंद्र के करीब था। इस 22 साल के भारतीय खिलाड़ी का यह विश्व कप में पहला व्यक्तिगत पदक है। वह इससे पहले सेमीफाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और कई बार के विश्व चैंपियन नीदरलैंड के माइक श्लोएसर से 144-147 से हार गए थे।

यूएई की पूरी टीम रिटायर आउट, फिर भी कतर को हराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टीम ने शनिवार को कतर के खिलाफ महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले के दौरान अपने फैसले से सभी को चौंका दिया। यूएई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पूरी टीम को रिटायर आउट किया। यूएई ने कतर के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था और 16 ओवर में 192 रन बनाए। जवाब में कतर की पूरी टीम 29 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह यूएई ने यह मुकाबला 163 रनों से जीता।

कतर नहीं पेश कर सका चुनौती

यूएई के लिए यह स्कोर काफी साबित हुआ क्योंकि कतर की टीम कोई चुनौती भी पेश नहीं कर सकी। यूएई के लिए ईशा ने सबसे ज्यादा 55 गेंदों पर 14 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 113 रन बनाए। वहीं, तीर्था ने 42 गेंदों पर 11 चौकों के सहारे 74 रन बनाए। ईशा ने साथ ही एक विकेट भी लिया और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

चेतावनी

बिना अनुमति विदेश में ट्रेनिंग की तो खिलाड़ियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने शनिवार को घोषणा की कि वह उन खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगा जो बिना लिखित अनुमति के विदेश में ट्रेनिंग करते हैं और प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लेते हैं।

एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा कि ऐसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए भी अमान्य माना जाएगा। उन्होंने कहा कि एएफआई इस महीने से कार्रवाई शुरू कर देगा। सागू ने कहा, 'विदेशी सरजमीं पर प्रतिस्पर्धा और ट्रेनिंग के लिए देश में ट्रैक एंव फील्ड की राष्ट्रीय संचालन संस्था से पहले से अनुमति नहीं लेने वाले व्यक्तिगत खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अगर एथलीट अंतरराष्ट्रीय 'एक्सपोजर' (ट्रेनिंग और अभ्यास) के लिए एएफआई की मंजूरी नहीं लेते हैं जो कि अनिवार्य है तो उनका प्रदर्शन रिकॉर्ड बुक के लिए अमान्य हो जाएगा। एथलीटों के हितों की रक्षा के लिए एएफआई ने विदेश में ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देने के लिए एक विशिष्ट समय अवधि निर्धारित की है।'

भुल्लर संयुक्त 43वें और चौरसिया 62वें स्थान पर

चीबा। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर और एसएसपी चौरसिया शनिवार को यहां इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में क्रमशः संयुक्त 43वें और संयुक्त 62वें स्थान पर बने हुए हैं। एशियाई टूर पर 11 बार के विजेता भुल्लर ने इवन पार 71 का कार्ड खेला जिससे वह 54 होल के बाद दो अंडर पर हैं।

दीक्षा और प्रणवी का स्कोर तीन ओवर 147

सोल। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर और प्रणवी उर्स ने शनिवार को यहां अरामको कोरिया चैंपियनशिप में क्रमशः 74 और 75 के कार्ड खेले जिससे दोनों संयुक्त रूप से 32वें स्थान पर बनी हुई हैं। दीक्षा ने फ्रंट नाइन में तीन ओवर के निराशाजनक स्कोर से उबरते हुए दो ओवर 74 का कार्ड खेला जबकि प्रणवी ने तीन ओवर 75 का कार्ड बनाया। अब दोनों का कुल स्कोर तीन ओवर 147 है जिससे दोनों संयुक्त 32वें स्थान पर बनी हुई हैं।

केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology (CIPET)
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
(भारत सरकार की शैक्षणिक संस्थान)
सिपेट CIPET

10 वीं, 12 वीं और स्नातक छात्रों के लिए डिप्लोमा, पोस्ट डिप्लोमा और स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

AICTE Approved
CIPET ADMISSION TEST 2025
For More detail Please Visit : www.cipet.gov.in
Excellent Placement Record

सिपेट-आई.पी.टी. रायपुर
प्लॉट नं. 48, औद्योगिक क्षेत्र भनपुरी, भनपुरी, रायपुर (छ.ग.), पिन: 493221
फोन. नं. 0771-6673060, 6673030, ई-मेल : raipur@cipet.gov.in

सिपेट-सी.एस.टी.एस. कोरबा
एजुकेशन हब, स्याहिमुडी, जमनीपाली
पोस्ट-गोपालपुर, कोरबा (छ.ग.), पिन: 495450
मो. +91 7815350001, ई-मेल : korba@cipet.gov.in

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्षों में)	प्रवेश पात्रता
1	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी.)	3	10 वीं कक्षा
2	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी.)	3	10 वीं कक्षा
3	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पी.जी.डी.-पी.पी.टी.) (सिर्फ सिपेट रायपुर में)	2	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री

उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। उपरोक्त सभी पाठ्यक्रम एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है

महत्वपूर्ण तिथियां	
✔ सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	29.05.2025
✔ पूरे देश में सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की तिथि	08.06.2025
✔ पाठ्यक्रमों के प्रारंभ की तिथि	14.07.2025

विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क अथवा क्यू आर कोड स्कैन करें :
रायपुर ➡ 7000894929, 8806578649, 8770169890, 9158232253
कोरबा ➡ 8966000083, 7978785859, 9399227305, 9422802207

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

गिल-पंत टेस्ट टीम की कप्तानी के लिए तैयार

नई दिल्ली। प्रतिभाशाली बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट में भारतीय टीम की कमान सौंपी जा सकती है जबकि खेल के इस पारंपरिक प्रारूप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नए उप-कप्तान होंगे। उप-कप्तान का चयन सरल लगता है क्योंकि पंत विदेशी परिस्थितियों में भारत के बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं और जसप्रीत बुमराह का कद इतना बड़ा है कि उन्हें उप-कप्तान की भूमिका के लिए नहीं चुना जा सकता है और साथ ही जब उनकी खुद की फिटनेस भी संदिग्ध है तो उनका पूरी श्रृंखला के लिए खेलना अनिश्चित है। पंत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शतकों के साथ 42 से अधिक के औसत से इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र./ 628/ निर्माण /2025 दिनांक 01.05.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1.	नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रान्तर्गत नाली, सड़क, भवन एवं भवन में विद्युतीकरण (निगम मद) (प्रथम निविदा)	100.00	22.05.2025 (T.No.167740)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

// स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें//

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

शब्द पहेली - 5863

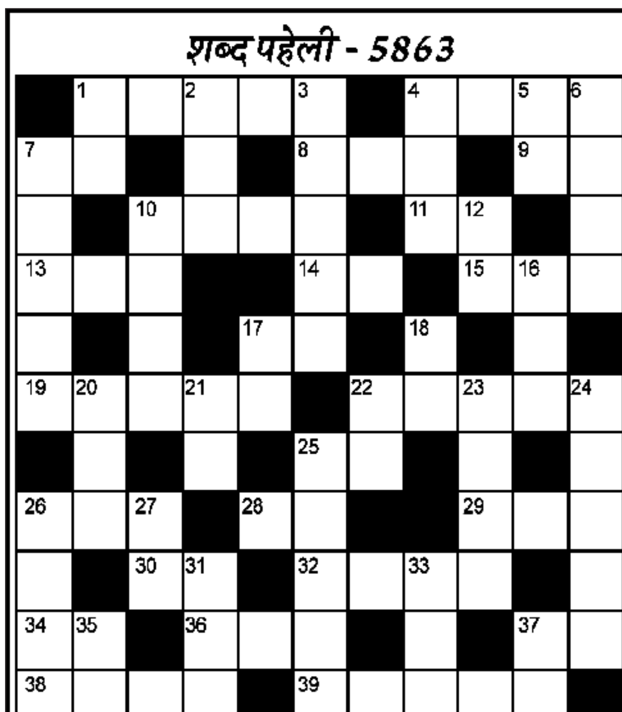

बाएँ से दाएँ
1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे
1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -5862 का हल

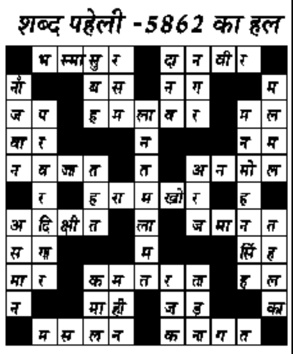

सूडोकु नवताल- 5873

★☆☆☆☆ सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5872 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

तरकश

संजय के. दीक्षित

प्रशासनिक सर्जिकल स्ट्राईक

कुछ दिन पहले कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों के ट्रांसफर में सरकार ने एकाध सर्जिकल स्ट्राईक किया था। दीगर राज्य के एक बड़े नेता की सिफारिशी कलेक्टर की हरकतें जब सीमा को लांघने लगी तो सरकार ने उनकी छुट्टी कर दी। मगर टारगेट अभी भी कई हैं। सूबे में ऐसे अफसरों की कमी नहीं, जो सिफारिशों के बल पर अंगद की तरह कुर्सी पर जमे हुए हैं। किसी के लिए इस राज्य के नेता का फोन आता है, तो किसी के लिए फलां स्टेट से। पिछली कांग्रेस सरकार में एक महिला आईएएस ने दिल्ली बीजेपी के एक ऐसे बड़े आदमी से फोन कराया कि विरोधी सरकार होने के बाद भी कोई आह-उंह नहीं हुआ...स्टेट में ज्वाईनिंग का नियम तोड़ सरकार ने चुपके से ऐसे आर्डर निकाल दिया कि किसी को पता नहीं चल पाया। जबकि, ऋतु सेन को छत्तीसगढ़ आकर ज्वाईन करना पड़ा, फिर उन्हें दिल्ली में पोस्टिंग मिली। आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, ये सभी सर्विसों में हो रहा है...अफसर परिस्थितिजन्य फायदा उठा रहे हैं। कायदे से तगड़ा सर्जिकल स्ट्राईक की जरूरत है। सरकार जब तक योग्य और काबिल लोगों की फील्ड में पोस्टिंग नहीं करेगी, तब तक उसके गुड गवर्नेंस का मिशन पूरा नहीं होगा। सिफारिशी पोस्टिंग वाले 10 परसेंट अधिकारी ही सरकार के सिस्टम को पलीता लगा रहे हैं।

पीएचक्यू का टॉलरेंस

भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान मानपुर-मोहला पुलिस ने पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के फौजी के छोटे भाई को इसलिए दो दिन थाने में बिठा लिया कि उसे एक लाख रुपए रिश्वत नहीं मिला। मामला छत्तीसगढ़ से खेती-किसानी के लिए एक जोड़ी बैल खरीदकर ले जाने का था। मोहला-मानपुर पुलिस ने मवेशी तस्करी का केस बनाने की धमकी देकर उसे हिरासत में ले लिया। इस बीच पीड़ति युवक की मां चल बसी...अंत्येष्टि में टाईम पर गांव नहीं पहुंच पाने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। बात महाराष्ट्र से होते हुए छत्तीसगढ़ के पुलिस मुख्यालय तक पहुंची। अफसरों ने मानपुर-मोहला के बड़े अफसर को फोन लगाकर पूछा, तो उनका जवाब हैरान करने वाला था। जिले के अफसर ने कहा...सर, रिश्वत की रकम वापिस हो गई है तो अब क्या कार्रवाई की जाए। पीएचक्यू नाराज हुआ, तब जाकर अफसर ने अपने प्रिय वसूलीबाज थानेदार को सस्पेंड किया। याने दूसरे राज्य में छत्तीसगढ़ का नाम खराब करने की सजा सिर्फ थानेदार का निलंबन। इससे ज्यादा पीएचक्यू कुछ कर भी नहीं सकता। कौवा मारकर टांगने का पावर उसके पास है नहीं। कुछ एक्सट्रा रसूखदार केस में सिस्टम भी हाथ खड़ा कर देता है। ऐसे में फिर पोलिसिंग की बात करना बेमानी है।

कप्तान....पानी-पानी

इस सरकार में पुलिस मुख्यालय के अफसरों को कम-से-कम इस बात का फ्रीडम मिला है कि वे पुलिस अधिकारियों को आईना दिखा सकते हैं। इस मौके का इस्तेमाल भी किया जा रहा है। पीएचक्यू के प्रेशर में 200 करोड़ का वाहन घोटाले पर नकैल कसा गया है। पिछले दिनों एसपी कांफ्रेंस में खुफिया चीफ अमित कुमार ने एसपी लोगों से दो टूक कहा कि न मैं और न डीजीपी साब...किसी ने एक टीआई की नियुक्ति को लेकर फोन किया होगा। तुमलोग अपने मन से थानेदारों की नियुक्ति कर रहे हो...फिर क्राईम काब में क्यों नहीं आ रहा। इस पर एसपी लोग बगले झांक रहे थे।

भावी सीएस एसी में और बेचारे...

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ मुख्य सचिव अमिताभ जैन भी सुशासन तिहार में लगातार जा रहे हैं। अमिताभ के रिटायरमेंट में अब बमुश्किल 40 दिन बच गए हैं। ऐसे में, बेचारे का मई की गरमी में घूमना लोगों को इसलिए खटक रहा कि जिनको उनके बाद प्रदेश की प्रशासनिक कमान संभालनी है, वे मंत्रालय के एसी कमरों में बैठे हुए हैं और जो पिछले पांच साल में ऐसे कई दौरे कर चुके हैं, वे जाते-जाते तपती धूप का सामना कर रहे हैं। हालांकि, सरकार की भी मजबूरी है। जिन्हें चीफ सिकरेट्री बनाना है, उसे लेकर सीएम अपने साथ घूमने लगे तो फिर सारा कुछ पहले ही एक्सपोज हो जाएगा। फिर भी, नए सीएस के लिए यह अच्छा मौका था...प्रदेश की जमीनी हकीकत से वाकिफ होने का...सारे कलेक्टरों का नब्ज भी उन्हें पता चल जाता। अब 30 जून को जो नया मुख्य सचिव बनेगा, उनको क्या पता रहेगा कि सीएम का ये 36 पेज वाला एजेंडा क्या है और कलेक्टरों ने इसमें क्या रिस्पांस दिया है।

खाता-बही वाले मंत्रीजी

खरीदी-सप्लाई का हिस्सा न पहुंचने से पीए ने मंत्रीजी को चुगली कर दी...साब जिले वाला एजेंट पैसा दबा दे रहा है। फिर क्या था...मंत्रीजी ने राजनांदगांव के अधिकारियों को बुला लिया। फिर उनके सामने खाता-बही खोलकर बैठ गए...इतने की खरीदी हुई तो फिर इसका 15 परसेंट पहुंचाए क्यों नहीं? अधिकारी बेचारे गिड़गिड़ा रहे थे...सर, टेंडर नियम से हुआ है...इसमें कुछ मिलता नहीं...मगर मंत्रीजी मानने के लिए तैयार नहीं थे...दो टूक धमकी दे डाले...ऐसा नहीं चलेगा। दरअसल, मंत्रीजी सभी जिलों में एक-एक प्रायवेट वसूली एजेंट नियुक्त कर रखे हैं। इस वजह से पीए कसमसा रहे हैं। इस वजह से मंत्री के पीए और एजेंटों में टकराव की स्थिति निर्मित होती जा रही है। सही भी है...पेट की चोट पीए लोग कैसे बर्दाश्त करेंगे।

समझदार मंत्री, समझदार अफसर

होशियार मंत्री और अफसर अपने स्टॉफ की नियुक्ति के मामले में बड़े चौकस रहते हैं। वे तगड़ी स्क्रीनिंग के बाद अपने पीए अपाइंट करते हैं। रमन सरकार के दौरान दो मंत्री इस मामले में हमेशा अलर्ट रहे तो पिछली कांग्रेस सरकार में किसी भी मंत्री ने इस महत्वपूर्ण बिंदु पर ध्यान नहीं दिया। इस सरकार की, तो 10 में से सिर्फ एक मंत्री ऐसे हैं, जिनके स्टॉफ को अहम मामलों की भनक नहीं लग पाती। अफसरों के साथ भी यही है। ब्यूरोक्रेसी में जो अफसर स्टडी नहीं करता, उन्हें पीए अपने इशारों पर नचाते हैं। कई नौकरशाहों के पीए ऐसी फाइलों पर हस्ताक्षर करा लेते हैं, जिसमें जांच हो जाए तो जेल जाने से उन्हें कोई बचा नहीं पाएगा। फिर दूसरा इंपोर्टेंट यह कि पीए लोगों से कनेक्ट होने में सबसे बड़े ब्रेकर होते हैं। वे मंत्री या अफसर से आसानी से मिलने नहीं देंगे। अगर मंत्री या अफसर से आपको बिना किसी अवरोध के मिलना है तो उसका एक ही उपाय है...पीए की खुशामद के साथ कुछ चढ़ावा चढ़ाते रहिये।

पीए की ऐसी छुट्टी

बात निकली पीए के ब्रेकर बनने की, तो एक पुरानी घटना जेहन में आ गई। बात नवंबर या दिसंबर 2011 की होगी। सुनिल कुमार उसी समय लंबे डेपुटेशन से दिल्ली से रायपुर लौटे थे, या यों कहें बुलाए गए थे। थोड़े दिन के लिए वे यहां एसीएस स्कूल शिक्षा रहे। इसके बाद जनवरी 2012 में वे पी जाय उम्मेन के हटने के बाद सीएस बन गए थे। बहरहाल, बात मुद्दे की। सुनिल कुमार से पुरानी जान-पहचान थी, ज्वाईनिंग के बाद एकाध मुलाकात हो चुकी थी। उसके बाद एक दिन मैंने उनसे मिलने के लिए फोन लगाया, उन्होंने मुझे शाम पांच बजे का टाईम दिया। नियत टाईम पर पुराने मंत्रालय पहुंच कर उनके पीए को मैंने अपना विजिटिंग कार्ड दिया। पीए के रिप्लाई से मैं सोच में पड़ गया...सुनिल कुमार तो ऐसे नहीं करते। पीए ने स्पष्ट तौर से कहा...साब अभी मीटिंग में हैं, अभी नहीं मिल सकते। मैं बरामदे में खड़ा होकर कुछ देर सोचा। फिर तय किया कि उन्हें कम-से-कम सूचित कर दूं कि मैं टाईम पर मंत्रालय पहुंच गया था। उन्हें फोन कर बताया, मैं मिलने आया था...मेरा वाक्य पूरा भी नहीं हुआ कि वे बोले...आइये, अंदर आ आइये। भीतर गया तो देखा कोई मीटिंग नहीं। वे किसी फाइल को पढ़ रहे थे। कुछ देर बैठने के बाद मैं पीए के बारे में बताया...सुनकर वे आवाक रह गए। उस समय पीए को बुलाकर वे डांटे या नहीं, इसे मैं रिकॉल नहीं कर पा रहा मगर अगले दिन पता चला कि पीए की वहां से छुट्टी हो गई। जाहिर है, पीए ने वह हरकत नहीं की होती तो वो सुनिल कुमार के साथ मुख्य सचिव सचिवालय भी गया होता। सार यह है कि पीए अगर आपने ढंग का नहीं रखा तो फिर आपको वो अलोकप्रिय बना देगा। क्योंकि, हर आदमी अफसर या मंत्री से पीए की शिकायत कर नहीं पाता।

32 की जगह चार

रमन सिंह सरकार के दौर में आईएफएस अफसरों का स्वर्णिम दौर रहा। तब एक समय 32 आईएफए डेपुटेशन में राज्य सरकार में विभिन्न बोर्ड और कारपोरेशनों को संभाल रहे थे। रमन सिंह की दूसरी पारी में सुब्रमणियम सिकरेट्री टू सीएम की कुर्सी तक पहुंच गए थे। नया रायपुर को बनाने वाले एसएस बजाज भी आईएफएस थे। अनिल राय लंबे समय तक पीडब्लूडी सिकरेट्री रहे तो राकेश चतुर्वेदी, संजय शुक्ला, स्व0 देवेंद्र सिंह और सुनील मिश्रा भी कई अहम पदों पर रहे। मगर अब आलम यह है कि यह संख्या चार पर सिमट गई है। अरुण प्रसाद मेंबर सिकरेट्री पौल्यूशन बोर्ड, जगदीशन डायेक्टर हार्टिकल्चर, विवेक आचार्य एमडी टूरिज्म और कल्चर तथा विश्वेष कुमार एमडी सीएसआईडीसी। दरअसल, अब आईएएस में डायरेक्टर, एमडी लेवल के अफसरों पर संख्या काफी बढ़ गई है। उधर, आईएफएस में भी उस तरह के अफसर बचे नहीं, जिनका काम अच्छा हो और राज्य सरकार में कनेक्शन भी।

अंत में दो सवाल आपसे

1. वो कौन सी खास वजह है कि दूरस्थ और छोटे जिले बोर्ड परीक्षाओं में बाजी मार ले जाते हैं और बड़े शहरों के कोचिंग और ट्यूशन करने वाले बच्चे पीछे?
2. भारत-पाक में सीजफायर की खबर से छत्तीसगढ़ में वो कौन तीन लोग हैं, जो सबसे अधिक खुश हुए होंगे?

चतुर्थ श्रेणी पद में कार्यरत कर्मचारियों का संशोधित वेतनमान देने का निर्देश

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कलेक्टर दर में पिछले 16-17 वर्ष से चतुर्थ श्रेणी पद में कार्यरत कर्मचारियों का नियमितकरण व संशोधित वेतनमान नहीं दिए जाने को अवैध करार दिया है। कोर्ट ने शासन को याचिकाकर्ताओं के मामले में विचार कर संशोधित वेतनमान देने का निर्देश दिया है।

वर्ष 2008 में दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद सहित अन्य जगह वनमंडल अधिकारी द्वारा कलेक्टर दर पर चौकीदार के रिक्त पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया। इसके बाद लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के उपरांत याचिकाकर्ता महेन्द्र कुमार ठाकुर, प्रशांत रंगारी, भोजराज, पोशन कुमार, श्रीमती ममता की चौकीदार के पद में नियुक्ति की गई। नियुक्ति के बाद इनके सेवा पुस्तिका भी तैयार किया गया। 16-17 वर्ष की सेवा के बाद भी उन्हें नियमित व संशोधित वेतनमान नहीं दिए जाने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिका में कहा गया कि नियुक्ति के बाद से याचिकाकर्ता चौकीदार के रिक्त पदों पर ही काम कर रहे। राज्य शासन के 10 मई 1984 के परिपत्र में कार्यभारित, अकास्मिक निधि से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा 5 वर्ष होने पर उनके कार्य अनुभव के अनुसार नियमितकरण एवं संशोधित वेतनमान दिए जाने का प्रावधान है। याचिका में जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी की कोर्ट में सुनवाई हुई। संशोधित वेतनमान देने का निर्देश दिया है।

16 साल में पहली बार, तय समय से 4 दिन पहले मानसून!

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के 27 मई को केरल पहुंचने की संभावना है, जो आमतौर पर एक जून को दस्तक देता है। आईएमडी के आंकड़े के अनुसार, यदि मानसून केरल में उम्मीद के अनुरूप पहुंचता है, तो यह 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर मानसून का समय से पहले आगमन होगा। तब मानसून ने 23 मई को दस्तक दी थी। भारतीय मुख्य भूमि पर मानसून के आगमन की आधिकारिक घोषणा तब की जाती है जब यह केरल पहुंचता है, आमतौर पर एक जून के आसपास। दक्षिण-पश्चिम मानसून 8 जुलाई तक पूरे देश में छा जाता है। यह 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस हो जाता है। मानसून पिछले साल 30 मई को दक्षिणी राज्य में आया था, 2023 में 8 जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में 3 जून को, 2020 में 1 जून को, 2019 में 8 जून को और 2018 में 29 मई को केरल आया था। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि मानसून के आगमन की तिथि और पूरे देश में इस मौसम में होने वाली कुल वर्षा के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। अधिकारी ने कहा, केरल में मानसून के जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह पहुंचेगा। यह बड़े पैमाने पर परिवर्तनशीलता और वैश्विक, क्षेत्रीय और स्थानीय स्थितियों पर निर्भर होता है।

आईएमडी के अनुसार मानसून के 27 मई को केरल पहुंचने की संभावना

सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान

आईएमडी ने अप्रैल में 2025 के मानसून में सामान्य से अधिक कुल वर्षा का पूर्वानुमान जताया था। अल नीनो परिस्थितियों की संभावना को खारिज कर दिया था, जो भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम वर्षा से जुड़ी है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम रविचंद्रन ने कहा था, भारत में चार महीने के मानसून (जून से सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है।

टूटेगा रिकॉर्ड मौसम विभाग के मुताबिक, अगर मानसून 27 मई को आता है तो यह 16 साल में पहली बार होगा, जब यह इतनी जल्दी दस्तक देगा। 2009 में 23 मई को और 2024 में 30 मई को मानसून ने केरल में दस्तक दी थी। इसके अलावा 2018 में 29 मई को मानसून आया था।

1972 में सबसे देरी से केरल पहुंचा था मानसून

आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था।

दुनिया की अजब-गजब महिलाएं, किसी के दो सिर तो बिना पैरों वाली बनी सफल मॉडल

नई दिल्ली। अमेरिका में रहने वाली 28 वर्षीय लीसी वेलास्केज को दुनिया की सबसे बदसूरत महिला माना जाता है। इसकी वजह है उनकी गंभीर बीमारी। दरअसल लीसी नीयोनेटेल प्रोजेनरॉडय सिंड्रॉम से ग्रसित हैं, यह प्रोजेरिया की तरह ही होता है। इसमें पीड़ित का शरीर पनपता नहीं है। इसके बावजूद लीसी अपनी जिंदगी को बेहतर तरीके से जी रही हैं।

एमी मुलिंस

अमेरिका के पेंसेल्वेनिया में रहने वाली एमी मुलिंस कई लोगों के लिए रोल मॉडल हैं। 41 साल की एमी पेशे से एथलीट और मॉडल हैं। इनके जन्म से ही दोनों पैर खराब हैं, इसके बावजूद एमी ने हार नहीं मानी। और वह कृत्रिम पैरों से कमाल कर रही हैं।

एबी एंड ब्रिटनी, शरीर से एक

अमेरिकन रिएल्टी शो में नजर आने वाली एबी एंड ब्रिटनी शरीर से तो एक हैं लेकिन उनके सिर दो हैं। यानी कि गर्दन के नीचे का दोनों का शरीर एक ही है।

सुपात्रा ससुफेन

बैंकाक की सुपात्रा दुनिया की सबसे ज्यादा बालों वाली महिला हैं। यानी कि सुपात्रा का पूरा चेहरा बालों से ढका हुआ है। होंठों और आखों को छोड़ दिया जाए तो हर जगह बड़े-बड़े बाल हैं।

स्टेसी हेराल्ड : यूएस में रहने वाली स्टेसी हेराल्ड दुनिया की सबसे कम हाइट की मां हैं। उनकी हाइट सिर्फ दो फुट चार इंच है। स्टेसी ने साल 2000 में 5 फीट 9 इंच लंबे विल से शादी की थी और अब तक वह तीन बार मां बन चुकी हैं।

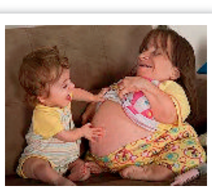

शौक के चक्कर में महिला ने बर्बाद किया अपना परी जैसा चेहरा

लंदन। हर इंसान के अपने-अपने शौक होते हैं। जिनके बारे में जानकर कई लोगों को जहां मजा आता है और उन शौक को लोग कॉपी करने करने के बारे में सोचते हैं, लेकिन कुछ लोगों के शौक ऐसे होते हैं, जिन्हें देखने के बाद दूसरे को झटका लगता है। आज हम आपको एक ऐसी ही महिला के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका शौक काफी अजीबोगरीब और इसके बारे में जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे, क्योंकि इस महिला को इंसानों के अंग जमा करने का शौक है। इस बात की जानकारी जब लोगों को हुई तो हर कोई हैरान रह गया। हर इंसान को कुदरत ने अलग चेहरा दिया है, जिसकी अपनी एक खासियत होती है।

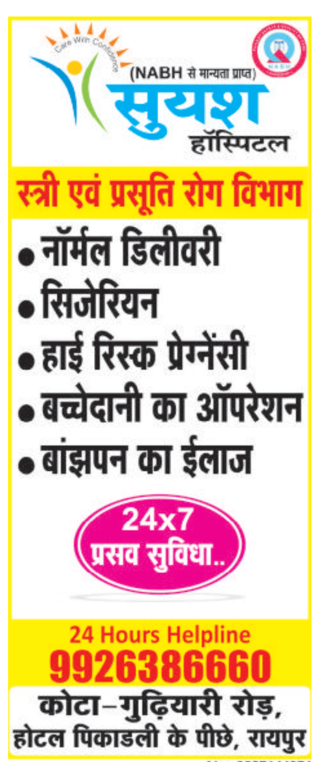

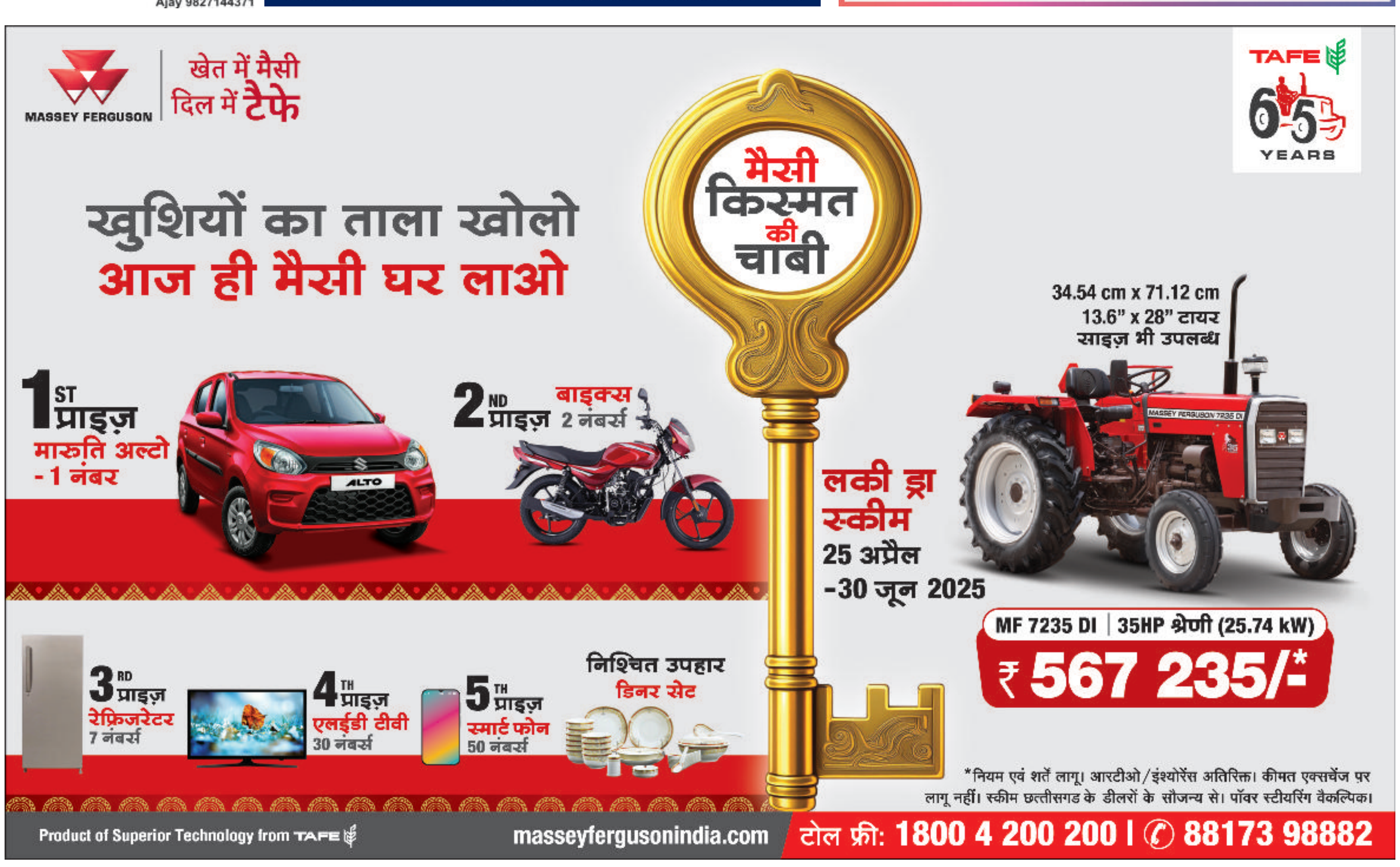

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com